RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से सरोकार

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्ष-10 | अंक-253 | जयपुर, मंगलवार, 10 मार्च 2026 | मूल्य-4 रूपये

ईरान जंग पर विपक्ष का दोनों सदनों में हंगामा, एस जयशंकर बोले-

हाई अलर्ट पर भारतीय दूतावास, नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च

सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली

संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन लोकसभा और राज्यसभा में अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा।

सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया।

वहीं, आज विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी

संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है।

राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खबू हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। राज्यसभा की कार्यवाही अभी जारी है। लोकसभा में भी विपक्ष ने विदेश मंत्री को बोलने नहीं दिया। उनकी स्पीच के दौरान हंगामा किया। सांसदों ने 'वी वॉन्ट डिस्कशन' के नारे लगाए।

मिडिल ईस्ट संकट पर बोले एस जयशंकर

मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष को लेकर भारत सरकार ने चिंता जताई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा में इस मुद्दे पर बयान देते हुए कहा कि क्षेत्र में हालात लगातार गंभीर होते जा रहे हैं और ईरान की लीडरशिप से संपर्क करना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारत संवाद और कूटनीति के जरिए तनाव कम करने की अपील करता है। विदेश मंत्री ने सदन को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिडिल ईस्ट की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। सरकार का सबसे बड़ा फोकस वहां रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। जयशंकर ने बताया कि खाड़ी देशों और मिडिल ईस्ट क्षेत्र में एक करोड़ से ज्यादा भारतीय रहते और काम करते हैं, इसलिए यह संकट भारत के लिए बेहद संवेदनशील मुद्दा है।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी अहम है यह क्षेत्र

पश्चिम एशिया भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत को तेल और गैस की आपूर्ति करने वाले कई प्रमुख देश इसी इलाके में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भारत इस क्षेत्र का पड़ोसी है और इसलिए वहां की स्थिरता भारत के लिए अत्यंत जरूरी है।

हालात बिगड़ते जा रहे

जयशंकर ने बताया कि मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष लगातार बढ़ता जा रहा है और सुरक्षा स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब अन्य देशों तक भी फैलने लगा है, जिससे क्षेत्र में भारी तबाही की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान में कुछ हजार भारतीय छात्र और पेशेवर काम के सिलसिले में मौजूद हैं।

विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हुआ। विपक्षी दलों ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर संसद भवन परिसर में विरोध-प्रदर्शन किया। विपक्ष ने अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे सैन्य संघर्ष के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर सरकार पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत तमाम विपक्षी सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने हाथों में बड़े पोस्टर और बैनर पकड़ रखे थे। इन पोस्टरों पर सरकार के विरोध में नारे लिखे थे। विपक्षी सांसदों ने इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की।

हाई अलर्ट पर भारतीय दूतावास

विदेश मंत्री के अनुसार, तेहरान में स्थित भारतीय दूतावास पूरी तरह सक्रिय है और हाई अलर्ट पर काम कर रहा है। भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीयों की मदद के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि ईरान में व्यापार के सिलसिले में मौजूद कुछ भारतीय नागरिकों को आर्मेनिया के रास्ते सुरक्षित बाहर निकालने में भी मदद की गई है। इसके अलावा कई भारतीय छात्रों को भी ईरान से बाहर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में सहायता दी गई है।

निर्माणाधीन प्रोजेक्ट की दीवार गिरी, 7 मजदूरों की मौत

3 गंभीर रूप से घायल, कुछ लोगों के दबे होने की आशंका

गुरुग्राम

गुरुग्राम में सोमवार रात ग्लोबल सिग्नेचर सोसाइटी में निर्माणाधीन प्रोजेक्ट की दीवार गिर गई। इस हादसे में 7 मजदूरों की मौत हो गई। 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों और घायलों को राजस्थान के भिवाड़ी जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही बिलासपुर थाना पुलिस और SDRF मौके पर पहुंची।

मिट्टी और मलबे में अभी भी लोगों के दबे होने की आशंका है। टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन चलाए हुए है। अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि हादसा कैसे हुआ। पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और मामले की जांच कर रहे हैं।

घटना के बाद बिल्डर ने सोसाइटी के मेन गेट पर बाउंसर खड़े कर दिए हैं, किसी को भी अंदर नहीं जाने दिया जा रहा।

जानकारी के मुताबिक, ग्लोबल सिग्नेचर सोसाइटी में

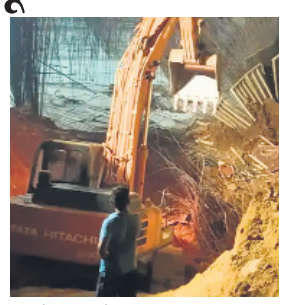

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का काम चल रहा था। रात 8 बजे अचानक बेसमेंट में मिट्टी की दीवार गिर गई। इसमें 10 मजदूर दब गए। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद दूसरे मजदूरों ने राहत बचाव का कार्य शुरू किया। सूचना पर पुलिस की टीमें भी मौके पर पहुंचीं। इसके बाद मिट्टी और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला गया।

एम्बुलेंस की मदद से उन्हें राजस्थान के भिवाड़ी स्थित जिला अस्पताल ले लाया गया। जहां डॉक्टरों ने परमेश्वर, मंगल, मिलन, भागीरथ, सतीश, शिव शंकर, छोटेलाल को मृत घोषित कर दिया। शिवकांत, दीन दयाल, इंद्रजीत की हालत गंभीर है। इनका अस्पताल में ही इलाज चल रहा है। मृतक और घायल मजदूर उत्तर प्रदेश और नेपाल के रहने वाले हैं।

ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदेगा इंडोनेशिया

नई दिल्ली

इंडोनेशिया ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने के लिए भारत के साथ एक एग्रीमेंट किया है। इंडोनेशिया डिफेंस मिनिस्ट्री के स्पोक्सपर्सन रिको रिकार्डो सिरैत ने सोमवार को न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को ये जानकारी दी। भारत और रूस की को-ओनरशिप वाली कंपनी ब्रह्मोस ने रॉयटर्स को बताया कि वह जकार्ता के साथ 200 मिलियन से 350 मिलियन की डील पर एडवांस्ड बातचीत कर रही है। रिको ने कहा कि यह एग्रीमेंट मिलिट्री हार्डवेयर और डिफेंस कैपेबिलिटीज़ के मॉडर्नाइजेशन का हिस्सा है। इससे पहले फिलीपींस ने भी ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम खरीदा था।

भारत- पाकिस्तान बॉर्डर पर मिली 30 करोड़ की हेरोइन

श्रीगंगानगर। भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटे श्रीगंगानगर जिले में करीब 30 करोड़ रुपए की हेरोइन मिली है। पाकिस्तान की ओर से ड्रोन से 6 किलो 400 ग्राम फेंकी गई। इसे समेजा कोठी थाना पुलिस और बीएसएफ ने कार्रवाई करते हुए जब्त कर लिया है। साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना जिले के रायसिंहनगर क्षेत्र के गांव 43 पीएस का है। गांव के एक खेत में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन द्वारा 6 किलो 400 ग्राम फेंकी गई थी। मामले में बीएसएफ ने एक तस्कर को भी पकड़ा है।

राजस्थान के 4 जिलों में हीटवेव का अलर्ट

अधिकतम तापमान 40 डिग्री के पार

जयपुर

राजस्थान में गर्मी लगातार बढ़ रही है। सोमवार को बाड़मेर का तापमान 40 डिग्री से ऊपर दर्ज हुआ, यह प्रदेश का सबसे गर्म इलाका रहा। जैसलमेर, बाड़मेर के अलावा झुंझुनूं में भी तेज गर्मी का असर रहा। हनुमानगढ़ को छोड़कर शेष सभी शहरों का अधिकतम तापमान 36 डिग्री या उससे ऊपर दर्ज हुआ। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने 10 और 11 मार्च को जैसलमेर, बाड़मेर समेत 4 जिलों में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया है। साथ ही राज्य में अगले एक

सप्ताह में तापमान में 1 से 2 डिग्री तक की बढ़ोतरी दर्ज होने की संभावना जताई है।

पिछले 24 घंटे का मौसम देखें तो राज्य के अधिकांश शहरों में सोमवार को आसमान साफ रहा। दिनभर तेज धूप रही। पिलानी, चिड़ावा क्षेत्र में दोपहर बाद आसमान में हल्के बादल छाने से तापमान में मामूली गिरावट हुई। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री, पिलानी में 39.5 डिग्री, जैसलमेर में 39 डिग्री, चूरू में 39.1 डिग्री, वनस्थली (टोंक) में 39.2 डिग्री, जोधपुर में 38.4 डिग्री, कोटा, दौसा में 38 डिग्री, बीकानेर, फलोदी में 38.6 डिग्री और दौसा में 38.3 डिग्री दर्ज हुआ।

खेजड़ी संरक्षण के लिए कानून बनाएगी सरकार

मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में बनाई 6 सदस्यीय कमेटी

जयपुर

राजस्थान में राज्य वृक्ष खेजड़ी के संरक्षण के लिए प्रदेश सरकार अब कानून लाने की तैयारी में है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विधानसभा में दिए गए आश्वासन के बाद 'वृक्ष संरक्षण अधिनियम' का प्रारूप तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है।

मंत्रिमंडल सचिवालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार कानून मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय कमेटी बनाई गई है, जो

इस कानून का ड्राफ्ट तैयार करेगी। इस कमेटी में राजस्व मंत्री हेमंत मीणा के साथ वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया हैं।

वहीं प्रमुख शासन सचिव विधि, अतिरिक्त महाधिवक्ता महावीर विश्नोई और राजस्थान हाईकोर्ट के अधिवक्ता कुणाल विश्नोई को भी कमेटी में सदस्य नियुक्त किया गया हैं। समिति का प्रशासनिक विभाग राजस्व विभाग को बनाया गया हैं। ऐसे में इसके शासन सचिव समिति के सदस्य सचिव भी होंगे।

समिति अन्य राज्यों में लागू कानूनों का तुलनात्मक अध्ययन करके, अलग-अलग स्टेक होल्डर्स की राय और वृक्ष संरक्षण के संबंध में अलग-अलग न्यायिक निर्णयों और मौजूदा प्रावधानों का अध्ययन करके एक महीने में अधिनियम का प्रारूप सरकार को प्रस्तावित करेगी। उसके बाद सरकार इस प्रस्तावित कानून पर विधि विशेषज्ञों की राय के साथ आगे बढ़ेगी। सरकार के समिति गठित करने के साथ ही आज मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में उनके निवास पर समिति की पहली बैठक भी आयोजित हुई। वर्तमान में केवल कृषि भूमि पर ही पेड़ों की कटाई की अनुमति का प्रावधान और अवैध पेड़ कटाई पर पेनल्टी का प्रावधान काश्तकारी कानून में है।

अब सरकार नया कानून लाकर हर प्रकार की भूमियों जैसे- आवंटित, रूपान्तरित, अधिग्रहित और आबादी भूमियों अर्थात समस्त गैर कृषि उपयोग वाली भूमियों पर भी वृक्ष संरक्षण के लिए कठोर प्रावधान करेगी।

चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बंगाल के कालीघाट में पूजा की

कोलकाता

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रविवार शाम को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने कोलकाता पहुंचे। 3 दिन चलने वाली चुनाव आयोग की फुल बेंच मीटिंग के बीच सोमवार को ज्ञानेश कुमार कालीघाट में पूजा करने पहुंचे। मंदिर के बाहर मौजूद प्रदर्शनकारियों ने गो बैक के पोस्टर और काले झंडे दिखाए। इसके पहले रविवार को भी कोलकाता पहुंचने पर कुछ लोग उनके काफिले के सामने झंडे लेकर पहुंचे और नारेबाजी करते दिखे।

राजस्थान में 17 कश्मीरी स्टूडेंट गिरफ्तार

कैंपस में एक छात्र ने सुसाइड की कोशिश की

चित्तौड़गढ़

राजस्थान के चित्तौड़गढ़ की मेवाड़ यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन कर रहे 17 कश्मीरी स्टूडेंट को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सोमवार दोपहर में स्टूडेंट अपनी डिग्री की मान्यता को लेकर यूनिवर्सिटी कैंपस में नारेबाजी कर रहे थे। इसके बाद एक छात्र ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर सुसाइड की कोशिश की। इस पर पुलिस ने 17 स्टूडेंट को गिरफ्तार कर लिया।

प्रदर्शन के दौरान छात्र रोते हुए बोले- डिग्री की वैल्यू नहीं रहेगी तो क्या करेंगे, हमारे मां-बाप रो रहे हैं। आपके बच्चे नहीं हैं क्या? उनके साथ ऐसा होगा तो क्या करेंगे। यूनिवर्सिटी बार-बार बहाने बना रही है। हमारा भविष्य खराब कर रही है।

दरअसल, छात्रों को एडमिशन लेने के बाद पता चला कि मेवाड़ यूनिवर्सिटी से क्लस्ट नर्सिंग करने के बाद मिलने वाली डिग्री राजस्थान नर्सिंग काउंसिल और इंडियन नर्सिंग काउंसिल से मान्यता प्राप्त नहीं है

मामले को लेकर गंगरार थाने के साह श्यामराम ने बताया- एक छात्र ने पेट्रोल छिड़ककर सुसाइड करने की कोशिश की थी।

कूनो में मादा चीता ज्वाला ने दिया पांच शावकों को जन्म

श्योपुर

मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में चंबल घाटी के सघन वनक्षेत्र के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है और सोमवार को पांच शावकों के जन्म लेने के साथ ही देश में चीतों की कुल संख्या 53 हो गई। देश में चीता परियोजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा चुने पहले अभयारण्य कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामीबिया से लाई मादा चीता ज्वाला तीसरी बार मां बनी है। ज्वाला ने सोमवार 9 मार्च को पांच नन्हें शावकों को जन्म दिया है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में यह खुशी भरा पल भारतीय धरती पर

चीतों के दसवें सफल प्रसव का प्रतीक है और इसके साथ ही भारत में जन्मे जीवित शावकों की संख्या 32 हो गई है। इन नए शावकों के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या अब 53 हो गई है। जो देश के दृढ़ व ऐतिहासिक संरक्षण प्रयासों का एक सशक्त प्रतीक है।

नामीबियाई चीता ज्वाला चीता को वर्ष 2022 में 8 चीतों के साथ कूनो राष्ट्रीय उद्यान लाया गया था जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यहां छोड़ा गया था। ज्वाला अब 3 बार शावकों को जन्म देकर भारतीय चीतों का कुनबा बढा चुकी है। मादा चीता ज्वाला ने वर्ष 2023 में पहली बार चार शवकों को जन्म दिया था, इसके बाद जनवरी 2024 में 3 शावकों को जन्म दिया था। हालांकि इनमें से कुछ शावकों की मौत हो गई थी, लेकिन अब तीसरी बार ज्वाला ने 9 मार्च 2026 को 5 शावक जन्में हैं। कूनो प्रबंधन के अनुसार सभी शावक स्वस्थ है, जिनकी चिकित्सकों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है।

राजस्थान में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई पर रोक

जयपुर

इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर अब राजस्थान में दिखने लगा है। तेल कंपनियों ने रसोई गैस के घटते स्टॉक को देखते हुए कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की डिलीवरी पर अघोषित रोक लगा दी है।

एजेंसियों को मैसेज करके कॉमर्शियल सिलेंडर के ऑर्डर नहीं लगाने के आदेश दिए हैं। केवल घरेलू उपयोग के सिलेंडर की डिलीवरी पर ही फोकस करने के लिए कहा गया है। कंपनियों ने देर रात ये निर्देश जारी किए हैं।

कंपनियों के इस निर्णय का असर अब औद्योगि?क ईकाइयों, रेस्टोरेंट्स और होटलों पर पड़ेगा। वहीं सावे शुरू होने के कारण शादी-समारोह में भी गैस सप्लाई की किल्लत देखने को मिल सकती है।

तेल कंपनियों के सब कुछ सामान्य के दावों के बीच अब आगामी निर्देशों तक कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की सप्लाई रोकने के लिए कहा है।

कंपनियों की तरफ से कई एलपीजी डीलर्स को मैसेज किया गया है कि वर्तमान हालात को देखते हुए व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की सप्लाई अगले आदेश तक रोक लें।

जिन डीलर्स के पास स्टॉक सीमित हैं, उनके नए ऑर्डर लेना कंपनियों ने बंद कर दिया। हालांकि तेल कंपनियों की ओर से आधिकारिक तौर पर कोई स्पष्ट बयान सामने नहीं आया है।

राजस्थान पंचायतीराज कानून की धारा 19 में संशोधन

दो से ज्यादा बच्चे वाले भी बन सकेंगे पंच-सरपंच

जयपुर

दो से अधिक संतान के माता-पिता भी अब राज्य में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव लड़ सकेंगे। इस बाबत लाए गए राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026 को राजस्थान विधानसभा ने सोमवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा प्रदेश में पूर्व परिस्थितियों के अनुसार राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 19 के तहत किसी व्यक्ति के दो से अधिक बच्चे होने पर उसकी पंचायती राज संस्थाओं का सदस्य बनने की पात्रता समाप्त करने का फैसला लिया गया था। उस

समय तेज जनसंख्या वृद्धि दर को नियंत्रित करना मुख्य उद्देश्य था। उन्होंने कहा कि महिलाओं में शिक्षा के प्रसार एवं समाज में आई जागरूकता के कारण आज जनसंख्या वृद्धि दर में उल्लेखनीय कमी आई जिससे वर्तमान परिपेक्ष्य में उक्त नियम अप्रासंगिक हो गया है। मदन दिलावर विधानसभा में सोमवार को राजस्थान पंचायती राज (संशोधन) विधेयक, 2026 पर चर्चा का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि दो से अधिक बच्चे होने पर चुनाव लड़ने की पात्रता समाप्त होने के प्रावधान में संशोधन से जो योग्य व्यक्ति दो से अधिक बच्चे होने के कारण पंचायती राज संस्था का सदस्य नहीं बन सकते थे, उन्हें अब चुनावों में भाग लेने का अवसर मिल सकेगा। दिलावर ने कहा राजकीय कर्मचारियों हेतु दो से अधिक बच्चे होने पर पदोन्नति नहीं मिलने का प्रावधान भी पूर्ववर्ती सरकार द्वारा समाप्त कर दिया था। यह इस प्रकार के नियमों की वर्तमान में अप्रासंगिकता को रेखांकित करता है। दिलावर ने कहा कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, हरियाणा आदि प्रदेशों में पंचायती राज संस्थाओं का चुनाव लड़ने हेतु इस प्रकार के प्रावधान को पहले ही समाप्त किया जा चुका है।

गांवों की सियासत बदलेगी

यह बिल पारित होने के बाद अब दो से ज्यादा बच्चों वाले नेताओं को राहत मिलेगी। अब तक जो नेता दो से ज्यादा बच्चों के कारण पंचायतीराज चुनाव नहीं लड़ पाते थे, अब बाध्यता हटने से आने वाले पंचायतीराज चुनावों में उनके लिए चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। इस प्रावधान के बाद पंचायतीराज चुनावों में नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। जो नेता दो बच्चों के प्रावधान से चुनाव नहीं लड़ पाते थे, अब वे फिर से मैदान में आ जाएंगे। इससे स्थानीय सियासी समीकरण भी प्रभावित होंगे।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी और वरिष्ठ सहायक 10 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बांसवाड़ा

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने बांसवाड़ा में बड़ी कार्रवाई की है। बांसवाड़ा तहसील के कोष कार्यालय में 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते सहायक प्रशासनिक अधिकारी और वरिष्ठ सहायक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। टीम ने यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेष मीणा के नेतृत्व में की।

एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता के अनुसार परिवादी ने ई-मित्र के माध्यम से जाति और मूल निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। इस दौरान वरिष्ठ सहायक कचरू कटारा ने आवेदन में पटवारी के फर्जी हस्ताक्षर बताकर परिवादी को पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने की धमकी दी व 20 हजार की रिश्वत मांगी। शिकायत

मिलने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। साथ ही 10 हजार रुपये पर सहमति बनी।

पुलिस इसके बाद एसीबी बांसवाड़ा की टीम ने सोमवार दोपहर को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। परिवादी को वरिष्ठ सहायक कचरू कटारा के पास रंग लगे नोटों के साथ भेजा। रिश्वत राशि लेने के बाद इशारा पाकर एसीबी की टीम पहुंची और वरिष्ठ सहायक को मौके पर ही धर दबोचा।

एक रुपये में जूते वाले ऑफर से मचा हंगामा, भीड़ नियंत्रित करने पुलिस ने भांजी लाठी

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में मात्र 1 रुपये में जूते देने के एक प्रचार ऑफर ने रविवार को भारी हंगामे का रूप ले लिया। बड़ी संख्या में लोग ऑफर का फायदा उठाने के लिए पहुंच गए, जिससे हालात बेकाबू हो गए और पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, दुकान ने पहले 100 ग्राहकों को सिर्फ 1 रुपये में महंगे जूते देने का विज्ञापन जारी किया था। यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद सैकड़ों लोग तड़के ही दुकान के बाहर पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि कई लोग रात 2 बजे से ही लाइन में लग गए थे। पुलिस के अनुसार, दुकान की क्षमता से कहीं ज्यादा भीड़ जमा हो गई, जिसमें बच्चे भी शामिल थे। कुछ लोग दूर-दराज के जिलों से भी पहुंचे थे। भारी भीड़ के कारण इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और यातायात भी पूरी तरह बाधित हो गया। स्थिति जब नियंत्रण से बाहर हो गई, तो पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना के बाद तनाव फैलाने और अव्यवस्था पैदा करने के आरोप में दुकान के मालिक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

युद्ध गप्प विरुद्ध पोस्टर लगा कांग्रेस ने आप को घेरा, कहा- पंजाब सरकार की वादा खिलाफी उजागर

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर में कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ चुनावी प्रचार तेज करते हुए युद्ध गप्प विरुद्ध अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत नकोदर और शाहकोट समेत कई इलाकों में पोस्टर लगाए गए हैं, जो राजनीतिक चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। पोस्टरों में स्पष्ट रूप से लिखा गया है युद्ध गप्प विरुद्ध और पंजाब सरकार पर महिलाओं के लिए किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया गया है। इन पोस्टरों में अखबार पकड़े एक महिला की तस्वीर दिखाई गई है, जबकि नकोदर क्षेत्र में लगे पोस्टरों पर शाहकोट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हरदेव सिंह लाडी शेरोवालिया और नवजोत सिंह दहिया की तस्वीरें भी शामिल हैं। पोस्टरों में यह भी लिखा गया है कि अब इंतजार खत्म हुआ, और 18 वर्ष से ऊपर की हर महिला को 4 साल के लिए 48,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। कांग्रेस का उद्देश्य पंजाब सरकार को घेरना और महिलाओं से किए गए वादों की याद दिलाना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जालंधर के लगभग हर गांव के घरों की दीवारों पर यह पोस्टर देखे जा सकते हैं, जिसके चलते राजनीतिक बहस और चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस के इस अभियान को क्षेत्रीय स्तर पर चुनावी संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें आप की नीतियों और वादाखिलाफी पर जोर दिया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जावेद सिद्दीकी को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में जावेद सिद्दीकी को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने यह राहत उनकी पत्नी के गंभीर स्वास्थ्य हालात को देखते हुए दी, जिनका स्टेज-4 ओवेरियन कैंसर का इलाज चल रहा है। यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने कहा कि सिद्दीकी की पत्नी की कीमोथेरेपी चल रही है और इस कठिन समय में उन्हें परिवार के सदस्य के सहयोग की आवश्यकता है। इसी आधार पर अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दो सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की। यहां बताते चलें कि जावेद सिद्दीकी अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन हैं और उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामला दर्ज किया गया है, जिसकी जांच केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। यह मामला लाल किला ब्लास्ट केस से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन से संबंधित बताया जा रहा है। अदालत ने जमानत देते हुए कई सख्त शर्तें भी लगाई हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जावेद सिद्दीकी बिना अनुमति के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से बाहर नहीं जा सकेंगे। इसके अलावा उन्हें अपना मोबाइल फोन हमेशा सक्रिय रखना होगा और अपना पासपोर्ट अदालत में जमा करना होगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान वह मामले से जुड़े किसी भी गवाह या शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं करेंगे। यदि इन शर्तों का उल्लंघन होता है तो जमानत रद्द की जा सकती है।

भारत लौट कर अच्छा लगा भारत और दुबई सरकार ने हमारी खूब मदद की

-यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में फंसे हैं या सुरक्षित नहीं

पुणे (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच दुबई से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर वापस लाया गया है। पुणे एयरपोर्ट पर उतरने के बाद भारतीय नागरिकों के चेहरे पर खुशी नजर आई उन्होंने सरकार की तारीफ की। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंची महिला यात्री ने कहा कि शुरू में जब लड़ाई शुरू हुई तो डर लग रहा था, लेकिन उसके बाद कॉलेज, भारतीय दूतावास और भारत सरकार ने बहुत मदद की। सब कुछ बहुत अच्छा था।

उन्होंने कहा कि वापस लौटकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम जल्द लड़ाई रुकने की उम्मीद करते हैं, जिससे वापस कॉलेज लौट सकें और पढ़ाई कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बहुत ही ईमानदारी के साथ अच्छा काम कर रही है। हम अपनी भारत सरकार पर भी गर्व करते हैं। एक अन्य महिला यात्री ने बताया कि हम ऑफिस वर्क के लिए 15 दिन की यात्रा पर गए थे। हमें बिल्कुल भी यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में जाकर फंसे हैं या सुरक्षित नहीं हैं। हम सभी के लिए दुबई सरकार ने अच्छी सुरक्षा दी थी। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ दूर से धमाकों की आवाजें आती थीं, लेकिन वहां बिल्कुल भी खतरनाक या पैनिक की स्थिति नहीं थी। एक अन्य यात्री ने बताया कि जब हम लोग एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, तभी मिसाइल अटैक का अलर्ट आया था। सभी लोगों को नीचे बंकर में ले जाया गया। कुछ समय के बाद जब स्थिति सामान्य हो गई, तब लोगों को बाहर लाया गया। हमें बाद में पता चला कि उन मिसाइलों को मार गिराया गया है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री एक और यात्री ने कहा कि उसने फ्लाइट बुक की थी, लेकिन उसमें देरी हो रही थी। स्पाइसजेट की वजह से मैं यहां टाइम पर पहुंच गया। उन्होंने फ्लाइट्स कैंसिल नहीं कीं। मैं एक हफ्ते तक फंसा रहा। वापस आकर मुझे अच्छा लग रहा है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री ने कहा कि मैं वहां छह साल से काम कर रहा हूं। हमें कुछ शोर सुनाई दे रहा था, लेकिन वहां सब ठीक है। यूएई सरकार सभी का बहुत अच्छे से ख्याल रख रही है।

तमिलनाडु चुनाव से पहले टीवीके चीफ विजय के बड़े वादे: बुजुर्ग महिलाओं को 2,500 रुपये, विवाह में सोने की अंगूठी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच अभिनेता-नेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई बड़े वादों की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मामल्लपुरम में आयोजित समारोह में विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, विवाह के लिए आठ ग्राम सोना और सिल्क साड़ी देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि राज्य में जन्मे प्रत्येक बच्चे को सरकार की ओर से एक सोने की अंगूठी दी जाएगी, जो परिवार और बच्चों की भलाई का प्रतीक होगी।

महिलाओं और सुरक्षा के लिए पहल

विजय ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की और सार्वजनिक परिवहन में स्मार्ट पैनिक बटन लगाने की योजना भी साझा की। इसके अलावा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेज न्याय सुनिश्चित करने के लिए ÷अंजलाई अम्मल फास्ट-ट्रैक अदालत÷ का गठन किया जाएगा। राज्यभर में 500 विशेष सुरक्षा टीमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करेंगी।

शिक्षा और आर्थिक समर्थन

उन्होंने 'कामराज शिक्षा आश्वासन स्कीम' के तहत कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों की शिक्षा बिना रुकावट पूरी करने की गारंटी देने की घोषणा की। इसके लिए परिवारों को सालाना 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को 5 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता देने का भी वादा किया गया।

परिवार कल्याण और सामाजिक सुरक्षा

विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए 'अन्नापूर्णी सुपर 6' स्कीम के तहत साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने, और शादी में महिलाओं की मदद के लिए ÷अन्नन सीर÷ योजना लागू करने की बात कही। इसके साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता बढ़ाने के लिए राशन दुकानों के माध्यम से मुफ्त सेनेटरी नैपकिन वितरित किए जाएंगे।

टीवीके प्रमुख ने कहा कि पार्टी सत्ता में आने के बाद इन सभी कल्याण योजनाओं को तुरंत लागू करेगी। महिलाओं, बच्चों और परिवारों पर केंद्रित यह घोषणाओं का बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है, जिससे तमिलनाडु में चुनावी तैयारियों को बढ़ावा मिलेगा।

भारत के लोग आजाद और खुद फैसले लेने वाले हैं, हम दूसरे देश का आदेश नहीं मानते

-फिल्म अभिनेता कमल हासन ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के लिए लिखा ओपन पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन पत्र लिखा है। पत्र में हासन ने ट्रंप को अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रुस से तेल खरीदने की अस्थायी छूट दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल हासन ने एक्स पर लिखा- सेवा में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। माननीय राष्ट्रपति जी, हम भारत के लोग एक आजाद और अपने फैसले खुद लेने वाले देश के नागरिक हैं। अब हम किसी दूसरे देश से आदेश नहीं लेते। कृपया अपने काम से काम रखिए। देशों के बीच आपसी सम्मान ही दुनिया में शांति बनाए रखने का सही तरीका है। हम आपके देश और वहां के लोगों के लिए शांति और तरक्की की कामना करते हैं। कमल हासन- एक प्राउड भारतीय नागरिक। संस्थापक- मक्कल नीधि माइअम। बता दें मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20फीसदी तेल सप्लाई होती है। ऐसे में भारत में भी तेल के दाम बढ़ने का अनुमान था। इसी बीच अमेरिका ने भारत को 3 अप्रैल तक रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। कमल हासन की पोस्ट सामने आने के बाद कई यूजर्स सवाल उठा रहे हैं कि वह किस हैसियत से इंडिया की तरफ से बयान दे रहे हैं। कई लोग इसे ड्रामा बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि भारत को किसी भी देश की तरफ से कोई आदेश नहीं दिया गया है, जैसा कि कमल ने पोस्ट में कहा है।

ईरान युद्ध के बीच भारत ले सकता है फैसला, जहाजों की सुरक्षा के लिए नौसेना की तैनाती पर विचार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में उपजे सुरक्षा संकट के बीच भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में फंसे अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाने के संकेत दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, पर्शियन गल्फ में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय नौसेना की तैनाती पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अगले 48 घंटों के भीतर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। यदि योजना को हरी झंडी मिलती है, तो भारतीय नौसेना के युद्धपोत इन जहाजों को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित गलियारे से बाहर निकालेंगे।

अब राज्यपाल गुरमीत सिंह का हेलीकॉप्टर हुआ खराब, श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग

-एक दिन पहले ही केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी आई थी समस्या

श्रीनगर (एजेंसी)। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह के हेलीकॉप्टर की रविवार को श्रीनगर के पास इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर में तकनीकी दिक्कत या खराब मौसम की वजह से यह फैसला लिया गया। हालांकि राज्यपाल समेत सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बताया गया कि गुरमीत सिंह गैंसरण में विधानसभा सत्र में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से जा रहे थे। इसी दौरान श्रीनगर के पास हेलीकॉप्टर में समस्या आने की सूचना मिली, जिसके बाद पायलट ने सावधानी बरतते हुए आपात लैंडिंग कराई। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस अलर्ट हो गए और राज्यपाल को हेलिपैड से सीधे पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया। फिलहाल लैंडिंग के सही कारणों की जांच की जा रही है।

इस घटना से एक दिन पहले केशव

प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी तकनीकी खराबी आ गई थी। वे कौशांबी जा रहे थे, तभी हेलीकॉप्टर में अचानक समस्या आ गई और उसकी लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बताया गया कि उड़ान के दौरान पायलट के डैशबोर्ड का डिस्प्ले बंद हो गया था और हेलीकॉप्टर में धुआं भरने लगा था। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ा और सुरक्षित लैंडिंग कराई। हेलीकॉप्टर में केशव मौर्य, उनके सहयोगी, सुरक्षाकर्मी और पायलट सवार थे और सभी सुरक्षित हैं।

बंगाल चुनाव से पहले ममता का बड़ा ऐलान, युवाओं को हर महीने मिलेगा 1500 रुपये बेरोजगारी भत्ता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच ममता बनर्जी ने बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं को हर महीने 1500 रुपये भत्ता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करना है। ममता बनर्जी ने यह घोषणा मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में आयोजित धरना-प्रदर्शन स्थल से ही की। ममता बनर्जी ने बताया कि सरकार पहले इस योजना को 1 अप्रैल से लागू करने वाली थी, लेकिन अब इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य के युवाओं को यह एक तरह का उपहार है। इसके तहत लाभार्थियों को अब अप्रैल का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और भुगतान की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाएगी।

कौन होंगे योजना के पात्र

मुख्यमंत्री ने योजना की पात्रता को लेकर भी जानकारी दी। इसके तहत 21 से 40 वर्ष की आयु के युवक और युवतियां आवेदन कर सकेंगे। लाभ पाने के लिए कम से कम माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 10वीं) पास होना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो छात्र अभी पढ़ाई कर रहे हैं और छात्रवृत्ति के अलावा किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं, उन्हें भी इस योजना के तहत भत्ता मिल सकेगा।

रोजगार के आंकड़े भी रखे सामने

विपक्ष के आरोपों के बीच ममता बनर्जी ने अपने शासनकाल में रोजगार के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी दर में करीब 40 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य में लगभग 40 लाख लोगों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें से करीब 10 लाख लोगों को रोजगार मिल चुका है। उन्होंने बताया कि उत्कर्ष बांग्ला के तहत प्रशिक्षित युवाओं का डेटा उद्योगपतियों की वेबसाइटों से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें रोजगार मिलने में आसानी हुई है।

किसानों और प्रवासी मजदूरों के लिए भी राहत

ममता बनर्जी ने भूमिहीन किसानों के लिए भी 4000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहले यह लाभ केवल सीमित जमीन वाले किसानों को मिलता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा प्रवासी श्रमिकों को राज्य के भीतर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लघु और मध्यम उद्योगों के क्षेत्र में करीब 1.5 करोड़ लोग कार्यरत हैं और इस क्षेत्र को और मजबूत किया जाएगा।

होली के बाद मौसम ने बिखेरे तीन रंग, कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, कहीं बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

-यूपी के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी, कुछ जगहों पर छा सकते हैं हल्के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रंगों से भरा होली पर्व का उत्सव अब समाप्त हो गया है। इसके साथ ही मौसम ने अपने रंग बिखेरना शुरू कर दिया है। देश में इस वक्त तीन तरह की मौसमी रंग दिखाई दे रहे है। एक वो इलाका है जहां रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है तो दूसरा वो क्षेत्र है जहां बारिश हो रही है और तीसरे इलाके में बर्फबारी की संभावना है। महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्य भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) की चपेट में हैं, वहीं उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और पूर्वी भारत में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़े बताते हैं कि गर्मी ने इस साल समय से पहले ही अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं।

महाराष्ट्र का विदर्भ क्षेत्र इस समय देश का सबसे गर्म इलाका बना हुआ है। अकोला में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य से करीब 4.8 डिग्री अधिक है। अमरावती, वर्धा और वाशिम जैसे शहरों में भी पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मार्च की

शुरुआत में ही तापमान का इस स्तर पर पहुंचना आने वाले महीनों के लिए एक गंभीर संकेत है। राजस्थान के बाड़मेर में भी पारा 38 डिग्री के पार जा चुका है, जिससे मरुधरा में अभी से तपिश महसूस होने लगी है।

दूसरी ओर, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इस बदलाव से मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली- एनसीआर, पंजाब और हरियाणा में सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है, हालांकि दोपहर की तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी गर्मी का असर बढ़ने लगा है। यूपी के बुंदेलखंड क्षेत्र में पारा 35 डिग्री के पार जा चुका है, वहीं बिहार और झारखंड में 9 से 11 मार्च के बीच मौसम बदलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत में भी प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं, जिससे केरल और तमिलनाडु के तटीय इलाकों में बारिश की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि साफ आसमान और एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण सूरज की किरणें सीधे धरती तक पहुंच रही हैं, जिससे तापमान में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो रही है। यदि आने वाले दिनों में पारा सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक रहता है, तो कई राज्यों में आधिकारिक तौर पर हीटवेव की घोषणा की जा सकती है।

सामना ने अमेरिका की भूमिका और भारत के नेतृत्व पर उठाए सवाल कहा- कॉकरोच मरते नहीं...

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच शिवसेना (यूबीटी) ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और भारत सरकार की भूमिका पर तीखी टिप्पणी की है। पार्टी के मुखपत्र में प्रकाशित कॉकरोच मरते नहीं शीर्षक वाले लेख के माध्यम से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने वैश्विक राजनीति, अमेरिका की रणनीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। लेख में दावा किया गया है कि इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले न केवल वैश्विक शांति के लिए खतरा हैं, बल्कि इससे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

संजय राउत ने अपने लेख में तर्क दिया है कि युद्ध अक्सर राजनीतिक उद्देश्यों को साधने का एक जरिया मात्र होता है। उन्होंने इस संघर्ष की तुलना 1950 में तिब्बत पर चीन के कब्जे से करते हुए कहा कि जिस तरह माओ त्से तुंग ने आजादी के नाम पर तिब्बत पर नियंत्रण किया, उसी तरह आज अमेरिका और इजरायल तानाशाही से मुक्ति के नाम

पर ईरान में अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों को साध रहे हैं। लेख में विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नीतियों को इस युद्ध का जनक बताया गया है। सबसे कड़ा प्रहार भारत की विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किया गया है। शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि इस वैश्विक संकट के दौरान भारत की कूटनीतिक उपस्थिति अत्यंत कमजोर और मौन रही है। लेख में तंज कसते हुए कहा गया कि जिस नेतृत्व को विश्व स्तर पर मजबूत बताया जाता है, वह इस संघर्ष को रोकने में विफल रहा है। फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा का उल्लेख करते हुए लेख में कहा गया कि उस यात्रा के बाद क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया, लेकिन भारत की ओर से शांति की कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी। लेख का निष्कर्ष यह है कि शक्तिशाली देश अपने स्वार्थ के लिए युद्ध का सहारा ले रहे हैं, लेकिन जिन्हें कमजोर समझा गया, वे उम्मीद से कहीं अधिक कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। लेख के अनुसार, पश्चिमी देशों का यह अनुमान गलत साबित हुआ कि ईरान को आसानी से घुटनों पर लाया जा सकता है। संजय राउत ने लिखा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की शहादत और कई सैन्य अधिकारियों के मारे जाने के बावजूद ईरान ने हार नहीं मानी है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर हुए मिसाइल हमलों और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान ने झुकने से साफ इनकार कर दिया है। लेख में गाजा पट्टी में हो रही नागरिकों और बच्चों की मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे मानवता के लिए एक बड़ा संकट करार दिया गया है।

जंग के बीच भारत ने तेज किया नागरिकों का रेस्क्यू, 52 हजार स्वदेश लौटे, 100 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के बीच भारत सरकार ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी दिशानिर्देशों और भारतीय मिशनों की सलाह का कड़ाई से पालन करें। भारत सरकार सहायता की जरूरत वाले हर नागरिक तक पहुंचने के लिए संबंधित देशों की सरकारों के साथ निरंतर समन्वय कर रही है। शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र की उभरती स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि क्षेत्र के हवाई क्षेत्र के आंशिक रूप से खुलने के बाद अब तक 52,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं।

पश्चिम एशिया में सुरक्षा की स्थिति फिलहाल अत्यंत अनिश्चित बनी हुई है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरानी ठिकानों पर की जा रही बमबारी और तेहरान की ओर से अमेरिकी व इजराइली ठिकानों पर किए जा रहे जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। भारतीयों की सहायता के लिए वहां स्थित भारतीय दूतावासों ने 24 घंटे चालू रहने वाली हेल्पलाइन नंबर भी स्थापित किए हैं। इस भीषण संघर्ष का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर पड़ा है। शनिवार को दिल्ली और मुंबई के हवाई अड्डों पर कम से कम 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, मुंबई हवाई अड्डे से 35 प्रस्थान और 36 आगमन उड़ानें रद्द रहीं, जबकि दिल्ली हवाई अड्डे से 22 प्रस्थान और 17 आगमन उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएएल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यात्रियों को सूचित किया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण पश्चिम की ओर जाने वाली उड़ानों में देरी या समय-सारणी में बड़े बदलाव हो सकते हैं। ज्ञात हो कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष ने वैश्विक नागरिक उड्डयन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुरक्षा कारणों से पश्चिम एशिया के कई हवाई क्षेत्रों को बंद कर दिया गया है, जिसके चलते एयरलाइन कंपनियां या तो बहुत सीमित संख्या में उड़ानें संचालित कर रही हैं या लंबे वैकल्पिक रास्तों का उपयोग कर रही हैं। भारत सरकार की प्राथमिकता अब युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे बाकी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधानों को कम करने की है।

अतिक्रमण हटाने गई टीम पर भारी पथराव, 4-5 हिरासत में

स्मार्ट हलचल

आसींद। आसींद क्षेत्र में सोमवार को मालासेरी रोड स्थित कानपुरा चौराहे पर उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब नगर पालिका की टीम द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों ने पथराव कर दिया। हमले में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी (श्वह्व) और अन्य कार्मिकों को निशाना बनाया गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

जानकारी के अनुसार, नगर पालिका की टीम जेसीबी मशीनों के साथ कानपुरा चौराहे पर अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करने पहुंची थी। जैसे ही टीम ने कार्रवाई शुरू की, वहां मौजूद भीड़ उग्र हो गई और नगर पालिका के वाहनों व कार्मिकों पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। हमले में जेसीबी मशीनों को भी निशाना बनाया गया

कई हिरासत में

घटना की गंभीरता को देखते हुए आसींद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। हालात बेकाबू होते देख अतिरिक्त पुलिस जाब्ता भी मंगवाया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से 4-5 उपद्रवियों को हिरासत में लिया । तनावपूर्ण माहौल के बीच प्रशासन मुस्तैद बना हुआ है। मौके पर स्वयं: जय सिंह चौहान (तहसीलदार) विकास कुमावत (अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका) आसींद पुलिस थाना अधिकारी और भारी पुलिस बल मौजूद रहा । अधिकारियों का कहना है कि सरकारी कार्य में बाधा डालने और हमला करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

3 किलो 2 ग्राम अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार, कार जब्त

स्मार्ट हलचल

रायला। रायला रायला पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से 3 किलो 2 ग्राम अफीम बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार को भी जब्त कर लिया है। थानाधिकारी मूलचंद वर्मा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मध्यरात्रि को रायला पुलिस थाने के बाहर नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान भीलवाड़ा की ओर से एक संदिग्ध कार इटियोस आती दिखाई दी। पुलिस द्वारा रुकने का इशारा करने पर चालक ने नाकाबंदी तोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की तत्परता से वाहन को रुकवाकर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार में रखी दो प्लास्टिक की थैलियों से 3 किलो 2 ग्राम अफीम बरामद हुई। इस पर पुलिस ने पंजाब के ननियावाला, थाना हरारायपुरा जिला भटिंडा निवासी 30 वर्षीय राजप्रीत सिंह पुत्र इकबाल सिंह को गिरफ्तार कर कार को जब्त कर लिया। मामले की जांच बनेड़ा थाना प्रभारी बच्छराज को सौंपी गई है।

इस कार्रवाई में थानाधिकारी मूलचंद वर्मा के साथ कांस्टेबल नारायण सालवी, श्याम सुंदर और राजेश की अहम भूमिका रही।

बंद मकान में जोरदार धमाके से दहला इलाका

आधा दर्जन मकानों में कंपन महसूस किए

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

रविवार देर रात भीलवाड़ा शहर के पटरी पार क्षेत्र स्थित संतोष कॉलोनी में एक बंद पड़े घर में अचानक जोरदार धमाका हो गया।जानकारी के अनुसार संतोष कॉलोनी निवासी सत्यनारायण पुरोहित के मकान में गैस सिलेंडर ब्लास्ट होने से घर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और दीवारें तक ढह गईं। धमाका इतना तेज था कि आसपास के करीब 6 मकानों में कंपन महसूस किया गया और कई घरों में दरारें आने की भी सूचना है। अचानक हुए इस धमाके से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। सूचना पर प्रताप नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की।

संत दिग्विजयराम के प्रवेश को लेकर रामस्नेही सम्प्रदाय में विवाद

संत समाज और आचार्य पीठ में मतभेद, फूलडोल महोत्सव के कार्यक्रमों के बहिष्कार की घोषणा

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। शाहपुरा 260वें फूलडोल महोत्सव (वि.सं. 2082 / ई.सं. 2026) के दौरान रामस्नेही सम्प्रदाय में संत समाज और आचार्य पीठ के बीच गंभीर विवाद सामने आया है। घटनाक्रम को लेकर संतों और आचार्य प्रवर के बीच कई दौर की वार्ता हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका। इसके बाद संत समाज ने महोत्सव के कुछ कार्यक्रमों के बहिष्कार का निर्णय लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 फरवरी 2026 को हुए संवाद में आचार्य प्रवर ने चित्तौड़ के व्यवसायी रमेश ईनाणी हत्याकांड के मुख्य आरोपी रामतराम के शिष्य संत दिग्विजयराम को वर्तमान फूलडोल महोत्सव में आने से पाबंद किया था। बताया गया कि संत

समाज को दिए गए इस वचन के बावजूद दिग्विजयराम चैत्र कृष्ण तृतीया की प्रातःकालीन बेला में बारहदरी पहुंच गए।

वचन भंग होने पर संत समाज ने आचार्य श्री से दिग्विजयराम को यहां से जाने का आदेश देने का आग्रह किया, लेकिन आदेश नहीं दिए जाने पर संत समाज ने लाल चौक में धरना आरम्भ कर दिया। इसके बाद संतों और गृहस्थों के प्रतिनिधिमंडल ने आचार्य श्री से समाधान का निवेदन किया। दिनभर कई दौर की चर्चाओं के बावजूद कोई निष्कर्ष नहीं निकल पाया।

अंततः भेख भण्डारी द्वारा सम्प्रदाय के लेटरपेड पर दिग्विजयराम को एक वर्ष के लिए भेख से बाहर करने का निर्णय जारी किया गया। हालांकि दिग्विजयराम के समर्थक कुछ संतों और गृहस्थों ने आचार्य श्री पर दबाव बनाया, जिसके बाद आचार्य श्री ने भेख भण्डारी के निर्णय पर असहमति जताते हुए उसे स्वतः खारिज बताया। इस संबंध में आचार्य श्री के वीडियो भी मीडिया में प्रसारित किए गए। बताया जा रहा है कि इस घटनाक्रम से भेख भण्डारी और भेख भगवान आहत हैं तथा आचार्य पीठ पर भाई-भतीजावाद और हठधर्मिता के आरोपों को लेकर संत समाज में रोष व्याप्त है। इसी के चलते संत समाज ने पंचमी के दिन फूलडोल महोत्सव के मध्याह्न बाद होने वाले कार्यक्रमों के बहिष्कार की घोषणा की है।

संत समाज ने लगाए गंभीर आरोप

संत समाज ने पत्रकार वार्ता में आचार्य श्री रामदयाल महाराज पर संप्रदाय में जातिवाद फैलाने, संप्रदाय की संपत्तियों को बेचने तथा संतों के साथ भेदभाव करने के गंभीर आरोप लगाए। पत्रकार वार्ता में संत सुखराम बाड़मेर, संत संतराम पुष्कर और बड़े साद संत नरपत राम उदयपुर सहित अन्य संतों ने दिग्विजयराम को बर्खास्त करने की मांग करते हुए आचार्य के चातुर्मास सहित आगामी आयोजनों के बहिष्कार की घोषणा की।

आंसुओं के साथ रामनिवास धाम से विदा हुए संत

पत्रकार वार्ता के पश्चात 50 से अधिक संतों ने बारहदरी में दंडवत प्रणाम कर भावुक वातावरण में रामनिवास धाम से विदाई ली। संतों ने रोते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की। इस दृश्य को देखकर वहां उपस्थित अनुरागी भी भावुक हो उठे।

पीड़ित परिवार ने आचार्य से मांगा न्याय

चित्तौड़ के व्यवसायी रमेश ईनाणी की हत्या के बाद उनके पुत्र शुभम ईनाणी शाहपुरा स्थित रामनिवास धाम पहुंचे और आचार्य रामदयाल महाराज से भेंट कर न्याय की मांग की। आचार्य ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए आश्वस्त किया कि सम्प्रदाय उनके साथ है।

निगम ने भोपाल क्लब किया सीज

एमजी अस्पताल के लिए बनेगी पार्किंग

स्मार्ट हलचल| पुनित चपलोत

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा शहर के गांधी बाजार में स्थित भोपाल क्लब परिसर अब महात्मा गांधी अस्पताल की पार्किंग के लिए इस्तेमाल की जाएगी इसके तहत जिला प्रशासन के निर्देश पर यह नगर निगम को दिया गया है जिस पर नगर निगम द्वारा सोमवार को कार्यवाही करते हुए भोपाल क्लब परिसर में किया गया अतिक्रमण को हटाकर बिल्डिंग को सीज किया गया है और आने वाले समय में भोपाल क्लब परिसर को पार्किंग के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। नगर निगम के अखेराम बड़ोदिया ने कहा कि जिला कलेक्टर जिला प्रशासन के आदेश के अनुसार आज भोपाल क्लब की बिल्डिंग और खाली जमीन महात्मा गांधी अस्पताल के पार्किंग के लिए दिया गया है। नगर निगम को निर्देश दिए गए हैं कि भोपाल क्लब परिसर में जो भी अतिक्रमण और कब्जे किए गए हैं उन्हें हटाकर सीज किया जाए इसके तहत नगर निगम की टीम द्वारा भीलवाड़ा शहर के गांधी बाजार के निकट स्थित भोपाल क्लब को पूरी तरीके से सीज किया गया है इसके साथ ही यहां दुकान लगाने वाले लोगों को तीन दिन का समय दिया है और 3 दिन के भीतर अपना सामान खाली करने के लिए कहा गया है अगर ऐसा नहीं होता है तो नगर निगम द्वारा खुद यह कार्यवाही की जाएगी।

मजदूरों से भरी वेन सरसों की बोरियों से लदी पिकअप से टकराई, महिलाएं घायल

स्मार्ट हलचल| शाहपुरा

क्षेत्र के खामोर गांव के पास सोमवार को एक बड़ा हादसा टल गया, जब मजदूरों से भरी एक वेन सरसों की बोरियों से लदी पिकअप से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि वेन का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं उसमें सवार महिलाओं को हल्की चोटें आई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वेन में खेतों में काम करने जा रही महिला मजदूर सवार थीं। इसी दौरान सामने से आ रही सरसों की बोरियों से भरी पिकअप से वेन की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े।

हादसे में वेन में सवार कुछ

महिलाओं को हल्की चोटें आईं, जिन्हें स्थानीय लोगों की सहायता से तुरंत प्राथमिक उपचार दिलाया गया। गनीमत रही कि हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलने पर आसपास के लोग और ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। दुर्घटना के कारण कुछ समय के लिए मार्ग पर यातायात भी प्रभावित रहा। बाद में क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर रास्ता सुचारू किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण इस तरह की दुर्घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

गैस की कीमतों में हुई वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस ने निकाली जन आक्रोश रैली, मोदी का फूंका पुतला

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा सहित देश भर में महंगाई और रसोई गैस के बढ़ते दामों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी भीलवाड़ा शहर द्वारा जन आक्रोश प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष शहर शिवराम जीपी खटीक के नेतृत्व में किए गए प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ता ओर महिलाएं शामिल हुई ओर विरोध स्वरूप प्रधानमंत्री पुतला फूंका। इस दौरान कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय इकट्ठा हुए ओर यहां से रैली के रूप में जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंच विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका।

जिलाध्यक्ष शिवराम जीपी खटीक ने बताया कि केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आम आदमी की रसोई प्रभावित हो रही है, इसके विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा है। सभी कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय इकट्ठा हुए ओर रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे हैं।

यहां हमने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी ओर प्रदर्शन करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया है। महिला दिवस के दिन महिलाओं को महंगाई की सौगात मिली है। सरकार अगर महंगाई को कम नहीं करती तो आगे आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए।

कलेक्टर के निर्देश के बावजूद नहीं हटा पूरा अतिक्रमण

निगम अधिकारियों पर लापरवाही के आरोप

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

शहर में वर्षों से फैले अतिक्रमण को हटाने के लिए पिछले एक महीने से जिला कलेक्टर एवं नगर निगम प्रशासक जसमीत सिंह संधू के निर्देश पर व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत सड़कों और नालियों पर किए गए पुराने अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं।

कलेक्टर के इस अभियान को शहरवासियों और व्यापारियों का समर्थन भी मिल रहा है। कई व्यापारी स्वेच्छा से अपनी दुकानों व प्रतिष्ठानों के बाहर किए गए कच्चे-पक्के अतिक्रमण स्वयं हटा रहे हैं।

हालांकि, नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। शहरवासियों का आरोप है कि कुछ अधिकारी अतिक्रमण हटाने के नाम पर व्यापारियों से अवैध वसूली कर रहे हैं। जिन व्यापारियों ने कथित रूप से सुविधा शुल्क दिया, उनके अतिक्रमण नहीं हटाए गए।

इसी तरह का मामला सांगानेरी गेट स्थित दूधाधारी मंदिर के सामने सामने आया है। यहां उपासरा यति श्री केसरी चंद सम्पत्ति ट्रस्ट, शांतिनाथ जैन मंदिर, कसारा बाजार की भूमि के पास से गुजर रहे बरसाती नाले पर कई लोगों ने पट्टियां ढक कर अवैध रूप से केबिनें रख दी हैं।

इस संबंध में जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर संधू से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में ट्रस्ट अध्यक्ष नेम कुमार संघवी, मंत्री पारसमल कोठारी, संरक्षक दलपत सिंह डांगी, उपाध्यक्ष आनंद पीपाड़ा, भाजपा नेता विजय पोखरना तथा सुवाणा जैन समाज के उपाध्यक्ष प्रकाश चपलोत जैन शामिल थे। कलेक्टर संधू ने मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम भीलवाड़ा आयुक्त हेमाराम चौधरी को फोन पर ही तत्काल अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। इसके बाद अतिक्रमण हटाओ दस्ते के प्रभारी संजय खोखर टीम के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन नाले पर रखी दर्जनों केबिनों में से केवल नाममात्र की केबिनें हटाकर पूरी कार्रवाई होने की रिपोर्ट दे दी गई।

मौके पर अब भी नाले पर कई केबिने और दुकानें लगी हुई हैं।

इस संबंध में आयुक्त हेमाराम चौधरी ने कहा कि यदि अतिक्रमण पूरी तरह नहीं हटाया गया है तो यह गलत है। प्रभारी संजय खोखर ने उन्हें पूर्ण कार्रवाई की जानकारी दी थी। उन्होंने मामले की जांच करवाने की बात कही है।

शीतला अष्टमी पूजन 11 को एवं दशा माता 13 को मनाया जाएगा

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

चैत्र कृष्ण अष्टमी बुधवार को माता का पूजन किया जाएगा होलीका दहन के बाद सप्तमी या अष्टमी को शीतला माता का पूजन किया जाता है ब्रह्म ज्योतिष के पंडित अशोक शर्मा ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सप्तमी को आकरा वार होने के कारण अष्टमी बुधवार को शीतलाष्टमी माता का पूजन किया जाएगा रांधा पोवा व्यंजन मिठाई सप्तमी मगलवार को होगा।

लौकिक परंपरा एवं धार्मिक मान्यता अनुसार महिलाएं ब्रह्म वेळ्य के पूजन को अति शुभ माना जाता है रात्रि 3 बजे बाद पूजन शुरू हों जाता है पंडित शर्मा ने बताया कि श्रीधर पंचांग के अनुसार शीतला माता पूजने का शुभ मुहूर्त प्रातः 6:55 से 9:52 बजे लाभ, अमृत एवं 11:20 से 1250 शुभ वेला में अति शुभ रहेगा मातेश्वरी की पूजा मे ठंडे भोग ही काम मे लिया जाता है मातेश्वरी की पूजा करने से असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती हैं और परिवार मे बिमारिया दूर होती है घर परिवार में सुख समृद्धि बनी रहती है इस दिन प्रेम से एक दूसरे के रंग गुलाल लगाकर आपस में हर्षोल्लास से भाईचारे का त्यौहार मनाया जाता है पंडित पियूष शास्त्री ने बताया कि दशमी शुक्रवार को दशा माता का पर्व मनाया जायेगा एवं दशा माता पूजने का शुभ मुहूर्त प्रातः 6.55 बजे से 11.20 बजे तक अति उत्तम रहेगा महिलाएं व्रत उपवास कर 10 कहानियां सुनती है एवं पति की लंबी उम्र की कामना करते हैं।

जहाजपुर का नाम बदलकर 'यज्ञपुर' करने का विरोध तेज, ज्ञापन भेजा

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत बजट 2026-27 में जहाजपुर कस्बे का नाम बदलकर 'यज्ञपुर' किए जाने के प्रस्ताव का स्थानीय स्तर पर विरोध शुरू हो गया है। इस को लेकर आज सोमवार को जहाजपुर बचाओ संघर्ष समिति की ओर से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की गई है। ज्ञापन उपखंड अधिकारी राजकेश मीणा के माध्यम से भेजा गया। ज्ञापन में बताया गया कि जहाजपुर का नाम पौराणिक काल से ही प्रचलित है और यह अपनी ऐतिहासिक पहचान तथा जहाजपुरी चूना खनिज के कारण देशभर में प्रसिद्ध है। विभिन्न राज्यों में आज भी जहाजपुरी चूना भेजा जाता है, ऐसे में नाम परिवर्तन से क्षेत्र की ऐतिहासिक पहचान प्रभावित होगी। समिति ने मांग की है कि कस्बे का नाम यथावत जहाजपुर ही रखा जाए।

इसके अलावा ज्ञापन में बनास नदी से स्थानीय साधनों के माध्यम से बजरी उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई है। बताया गया कि पिछले दो वर्षों से स्थानीय ट्रैक्टरों को बजरी नहीं मिलने से निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे मजदूर और कारीगर बेरोजगार हो गए हैं तथा बजरी की कीमतें भी बढ़ गई हैं। समिति ने निर्धारित शुल्क पर स्थानीय साधनों को बजरी उपलब्ध कराने की मांग की है।

तीसरी मांग में जहाजपुर-देवली मार्ग के निर्माण कार्य का मुद्दा उठाया गया है। ज्ञापन में कहा गया कि सड़क निर्माण कार्य बंद होने से सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, बावजूद इसके टोल वसूली जारी है। समिति ने मांग की है कि जब तक सड़क का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक इस मार्ग को टोल मुक्त किया जाए।

संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि यदि इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो जहाजपुर बंद और धरना-प्रदर्शन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

पुरानी धानमंडी में अधजली होली से फैली अव्यवस्था, निगम की अनदेखी पर उठे सवाल

सब्जी मंडी चौक में कांटेदार सरियों से रास्ता बाधित, व्यापारियों व आमजन को हो रही परेशानी; क्षेत्रवासियों में आक्रोश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। शहर की प्रसिद्ध पुरानी धानमंडी क्षेत्र में होली दहन के बाद अधजली होली और बिखरे अवशेषों से अव्यवस्था फैल गई है। सब्जी मंडी चौक में होली के चारों ओर लगाए गए कांटेदार सरियों और अधजले ढांचे के कारण बाजार में आने-जाने वाले लोगों और सब्जी विक्रेताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार क्षेत्र के जमादार और सफाई कर्मियों को सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई

ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे क्षेत्रवासियों और व्यापारियों में नगर निगम के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि हिंदू शास्त्रों के अनुसार होली दहन पूर्ण रूप से होना चाहिए। अधजली होली को खुले में छोड़ना आस्था के साथ खिलवाड़ माना जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों में समिति सदस्यों की जिम्मेदारी बनती है कि कार्यक्रम के बाद व्यवस्था को तुरंत दुरुस्त किया जाए। लोगों ने यह भी कहा कि किसी भी सार्वजनिक आयोजन से पहले नगर निगम से अनुमति लेना आवश्यक है और कार्यक्रम के बाद स्थल की साफ-सफाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। हिंदू परंपरा के अनुसार होली दहन के अवशेषों का तुरंत विसर्जन तालाब या कुएं में किया जाना चाहिए, तभी यह आयोजन पूर्ण और शुभ माना जाता है।

क्षेत्रवासियों ने नगर निगम से जल्द कार्रवाई कर मंडी क्षेत्र में फैली अव्यवस्था को दूर करने की मांग की है, ताकि बाजार की व्यवस्था सामान्य हो सके और लोगों को परेशानी से राहत मिल सके।

मांडल ग्राम पंचायत में फर्जी पट्टों का आरोप, जांच के आदेश

स्मार्ट हलचल

मांडल। ग्राम पंचायत मांडल में आबादी भूमि के कथित फर्जी पट्टे जारी करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी संजना जोशी को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और जारी पट्टों को निरस्त करने की मांग की है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि राजकीय दस्तावेजों में कथित रूप से हेरफेर कर करीब 250 से 300 लोगों को आबादी भूमि के पट्टे जारी किए गए हैं। जबकि इनमें से कई लोगों के पास पहले से ही मकान और अन्य संपत्तियां मौजूद हैं। ऐसे में नियमों के विरुद्ध तरीके से पट्टे जारी कर पंचायत की आबादी भूमि को खुर्द-बुर्द किया गया है, जिससे क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि प्रशासक संजय भडिया और ग्राम विकास अधिकारी कजोड़मल गुर्जर की मिलीभगत से पट्टेधारियों को फर्जी तरीके से पट्टे जारी किए गए और उनके पंजीयन की भी तैयारी की जा रही थी। ग्रामीणों ने मांग की कि वर्तमान प्रशासक के कार्यकाल में जारी सभी पट्टों की निष्पक्ष जांच

कराई जाए तथा जांच पूरी होने तक उनके पंजीयन पर रोक लगाई जाए। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि हाईवे और मुख्य मार्गों के आसपास की भूमि पंचायत के विकास कार्यों के लिए सुरक्षित रखी जानी चाहिए। नियमों के अनुसार मुख्य सड़क से 500 मीटर की दूरी तक रियायती दर पर पट्टे जारी नहीं किए जा सकते, इसके बावजूद ऐसे पट्टे जारी किए जाने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में उपखंड अधिकारी संजना जोशी ने कहा कि शिकायत की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने तहसीलदार को निर्देश दिए हैं कि जांच पूरी होने तक संबंधित पट्टों का पंजीयन नहीं किया जाए। फिलहाल इन पट्टों के पंजीयन पर रोक लगा दी गई है।

विधायक आक्या ने किराए के भवनों में संचालित केंद्रीय सहकारी बैंकों को भवन निर्माण हेतु निशुल्क भूमि आवंटन की मांग रखी

स्मार्ट हलचल

शंभूपुरा। चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने सोमवार को विधानसभा में सरकार से किराए के भवनों में संचालित केंद्रीय सहकारी बैंकों को भवन निर्माण हेतु निशुल्क भूमि आवंटित किए जाने की मांग रखी।

विधायक आक्या ने सदन में विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से सरकार से पूछा कि प्रदेश में सहकारी बैंकों की कितनी शाखाएं किराए के भवनों में संचालित है। उक्त शाखाओं के कार्य क्षेत्र में आने वाले गांव की संख्या कितनी है। क्या सरकार ग्राम सेवा सहकारी समितियां की भांति केंद्रीय सहकारी बैंकों को भी निशुल्क भूमि आवंटन करने का विचार रखती है? क्या सरकार राष्ट्रीयकृत बैंकों की भांति जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में वित्तीय बैंकिंग सेवा कियोस्क विकसित करने का विचार रखती है? क्या सरकार उक्त बैंकों के विस्तार व विकास हेतु विभाग स्तर पर कार्य योजना बनाने का विचार रखती है?

विधायक आक्या के प्रश्न का जवाब देते हुए सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों की 304 शाखाएं किराए के भवनों में संचालित है। इन शाखाओं के कार्य क्षेत्र में आने वाले गांवों की संख्या 29639 है। उन्होंने कहा कि राज्य के जिला केंद्रीय सहकारी बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के लाइसेंस धारक बैंक होने से वाणिज्यिक संस्थान है उनके कार्यों

पर होने वाले खर्च बैंकों के लाभ व अन्य कोषो से किए जाते हैं। इन बैंकों को निशुल्क भूमि आवंटन नहीं किया जा सकता है। राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा राष्ट्रीयकृत बैंकों की भांति जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों में वित्तीय बैंकिंग सेवा कियोस्क विकसित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इन बैंकों में सदस्यों को नकद जमा, नकद निकासी, मिनी स्टेटमेंट, बकाया राशि की पूछताछ की सुविधा प्रदान की जा रही है। सरकार के स्तर पर उक्त बैंकों के विस्तार व विकास हेतु सर्वे करवाकर क्षमता के आधार पर नवीन शाखाएं खोलने की कार्यवाही की जा रही है।

सहकारिता राज्य मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विधायक आक्या ने सदन में कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक से लाइसेंस धारक होने की वजह से किराए के भवनों में संचालित केंद्रीय सहकारी बैंकों को निशुल्क भूमि आवंटन नहीं की जा सकती है। क्या राज्य सरकार के पास ऐसा कोई नियम है जो इस निशुल्क आवंटन को प्रतिबंधित करती है। उन्होंने कहा कि सरकार जब पैक्स, लैंप्स मार्केट भंडार सहकारी समितियां, सामाजिक संस्थाओं को निशुल्क रियायती दर पर या डीएलसी रेट पर भूमि आवंटित करती है तो केंद्रीय सहकारी बैंकों को भी सरकार के स्तर पर भूमि आवंटित की जानी चाहिए।

इस पर सहकारिता राज्य मंत्री ने कहा कि ग्राम सेवा सहकारी समिति व केंद्रीय सहकारी बैंक की प्रकृति व भूमिका अलग-अलग होती है। ग्राम सेवा सहकारिता समिति ग्राम स्तर की सहकारी संस्था है यह सीधे-सीधे किसानों को खाद बीज भंडारण की सेवाएं देती है। ग्राम सेवा सहकारिता समिति छोटी संस्था होती है जिसके सीमित संसाधन होते हैं इसके आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए सरकार द्वारा सहायता व निशुल्क भूमि आवंटित की जाती है। जबकि केंद्रीय सहकारी बैंक जिला स्तर का बैंक है जिनके स्वयं के वित्तीय संसाधन होते हैं। उन्होंने विधायक आक्या की मांग पर सहमति जताते हुए कहा कि केंद्रीय सहकारी बैंकों को भूमि अनुमत करने का प्रस्ताव आता है तो सरकार निश्चित ही उसे पर विचार करेगी।

राजकीय कन्या महाविद्यालय में शुरू होंगे एपेरल व आइटी के सर्टिफिकेट कोर्स

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

राजस्थान सरकार की ओर से युवाओं को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने के लिए फिनिशिंग स्कूल प्रोग्राम की शुरुआत की जा रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य स्नातक एवं स्नातकोत्तर के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 सावन कुमार जांगिड ने बताया कि महाविद्यालय में एपेरल तथा आइटी क्षेत्र से जुड़े सर्टिफिकेट कोर्स शीघ्र शुरू किए जाएंगे। इनमें एंडवांस पेटंन मैकर और फुल स्टैक वेब डवलपमेन्ट कोर्स पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अधिकतम 30 तथा न्यूनतम 20 सीटें निर्धारित की गई है। इन कोर्सों के तहत विद्यार्थियों को 510 से 540 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उद्योग जगत के सहयोग से संचालित इस कार्यक्रम में प्रशिक्षित युवाओं के लिए न्यूनतम 70 प्रतिशत रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। इन कोर्सों में बीए, बी.एस.सी, बीकॉम, एमए अंतिम वर्ष की छात्रायें और पूर्व छात्रायें पात्र होंगे। कोर्स की फीस श्रेणी के अनुसार निर्धारित होगी।

एक महीने से नाली की सफाई न होने से गंदगी से नालियां रही हैं बजबजा

स्मार्ट हलचल | खखरेरु/फतेहपुर

सरकार द्वारा नगर पंचायत के प्रत्येक वार्ड में सफाई कर्मचारी की नियुक्ति कर सफाई के नाम पर हजारों रुपए खर्च किए जाते हैं परन्तु जब वार्ड में सफाई कर्मचारी ही नहीं पहुंचेगा तो सफाई कैसे होगी सिर्फ कागजों में ही स्वच्छ नगर पंचायत सुन्दर नगर पंचायत का दावा किया जाता है प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर पंचायत खखरेरु के अहिल्या बाई होलकर वार्ड नंबर 8 नन्दन का पुरवा में सफाई कर्मचारी के न जाने से सभी नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं नगर वासियों का कहना है कि लगभग एक माह से सफाई कर्मचारी नहीं आया है तो सफाई कैसे होगी इसी लिए नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं जिससे वार्ड में मंछरो का प्रकोप बढ रहा है इस कारण उल्टी दस्त डायरिया डेन्गू मलेरिया आदि संक्रामक रोगो का भय बना रहता है इस सम्बन्ध में ई ओ हरेंद्र सिंह से बात करने पर बताया कि सफाई लगातार जारी जहां पर सफाई नहीं हो रही है सफाई कर्मचारी को भेजकर सफाई कराई जाएगी।

नीले आसमान के नीचे नदी तट पर पहाड़ों के बीच इठलाता पलाश

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

प्राकृतिक एवं नैसर्गिक सौंदर्य से परिपूर्ण उदयपुर जिले के आस-पास के क्षेत्रों में पलाश के वृक्ष लेकसिंटी की सौंदर्यता को चार चांद लगा रहे है। नीले आसमान की छांव में बहती शांत नदी के तट पर, चारों ओर फैले पहाड़ों के बीच खिले पलाश के लाल-नारंगी फूलों ने पूरे क्षेत्र को अद्भुत सौंदर्य से भर दिया है। वसंत ऋतु के आगमन के साथ ही पलाश के वृक्षों पर खिले फूल दूर-दूर तक आग जैसी चमक बिखेरते दिखाई दे रहे हैं। नदी के किनारे बसे इस प्राकृतिक दृश्य में पहाड़ों की हरियाली और पलाश के चमकीले फूलों का संगम पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। सुबह की सुनहरी धूप

जब इन फूलों पर पड़ती है, तो पूरा इलाका रंगों की अनोखी छटा से जगमगा उठता है। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण इस दृश्य को प्रकृतिप्रेमी सुनील व्यास ने कैद किया है।

अंतर्संभागीय सिविल सेवा खेलों में उदयपुर का दमदार प्रदर्शन

विजेता टीमों ने संभागीय आयुक्त को सौंपी ट्रॉफियां

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

उदयपुर में गत 5 से 7 मार्च तक आयोजित हुई 12वीं अंतर्संभागीय सिविल सेवा खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली उदयपुर संभाग की विजेता टीमों ने सोमवार को अपनी-अपनी ट्रॉफियां संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी को सुपुर्द की। इस अवसर पर खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के अनुभव साझा किए और खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन का संकल्प भी दोहराया।

प्रतियोगिता में उदयपुर संभाग के खिलाड़ियों ने कई स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। क्रिकेट प्रतियोगिता में उदयपुर की टीम विजेता रही। वहीं महिला लॉन टेनिस में उदयपुर की टीम उपविजेता बनी। महिला बैडमिंटन और महिला टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं में भी उदयपुर की टीमों ने शानदार खेल दिखाते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। संभागीय आयुक्त सुश्री केवलरमानी ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल प्रतियोगिताएं टीम भावना, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

माहेश्वरी समाज संस्थान ने मनाया होली स्नेह मिलन के साथ फागोत्सव

ठाकुरजी की प्रतिमा के समक्ष महिलाओं द्वारा होली के गीत, फाग नृत्य आदि की रंगारंग प्रस्तुति दी, विजेताओ को किया पुरस्कृत

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। विजय सिंह पथिक नगर माहेश्वरी समाज संस्थान अध्यक्ष मुकेश काबरा के नेतृत्व में क्षेत्र मे निवासरत माहेश्वरी परिवारों का होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन सांगानेर के महेश भवन में आयोजित किया गया। मंत्री कैलाश चंद्र गदिया ने बताया कि स्नेह मिलन के दौरान फैंसी ड्रेस, कपल गेम, सामूहिक महिला नृत्य और रिश्तों की रैंप वॉक जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। संरक्षक देवेन्द्र सोमानी, प्रदीप शारदा, संस्थान अध्यक्ष मुकेश काबरा, रवि बाहेती द्वारा भगवान महेश की पूजा अर्चना व दीप प्रज्वलन के साथ ही कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। क्षेत्रीय माहेश्वरी महिला मंडल व युवा संगठन के सहयोग से किए गए इस आयोजन में समाज बंधुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। संस्थान अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि स्नेह मिलन में राधेश्याम चेचाणी, सुभाष बहेडिया, कैलाश कोठारी,

राधेश्याम सोमाणी, दिनदयाल मारू, ओमप्रकाश गट्टयानी, राजेन्द्र कचोलिया, प्रदीप बल्दवा, रमेश राठी, रामकिशन सोनी, सुशील मरोटिया, महेन्द्र काकाणी, केदार गगराणी, सजंय जागेटिया, सुरेश कचोलिया, राजेन्द्र भदादा, पार्षद कैलाश मून्दड़ा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। सभी अतिथियों का तिलक लगाकर और दुपटा ओढ़ाकर स्वागत किया। महिला मंडल अध्यक्ष सुमन राठी व मंत्री सरोज बांगड ने बताया की माहेश्वरी भवन में आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने फूलों की होली खेली और एक दूसरे को बधाइयां दी। साथ ही ठाकुरजी की प्रतिमा के समक्ष महिलाओं द्वारा होली के गीत, फाग नृत्य आदि की रंगारंग प्रस्तुति दी गई। प्रतियोगिता में विजेता रहे प्रथम, द्वितिय, तृतीय को पुरस्कार प्रदान किये गये। साथ ही सभी भामाशाहो को गिरीराज धरण की प्रतिमा देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गिरीश बाहेती, बृजेश जाजू, रामेश कचोलिया, विकास सोमानी, ओम नौलखा, जयप्रकाश गंदोडिया, शिवरतन काबरा, प्रहलाद राय काकाणी, गिरिराज कचोलिया, रामराय मण्डोवरा, रामसहाय पटवारी, मधुसूदन बागला, दिनेश देवपुरा, गोविन्द अजमेरा, प्रकाश गंदोडिया, चिराग मंडोवरा, सुधांशु पटवारी, सहित समस्त क्षेत्रीय प्रतिनिधियों का विशेष सहयोग रहा।

श्री मैथिल ब्राह्मण महासभा भारत की भीलवाड़ा जिला इकाई द्वारा होली स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

समाज में एकता, महिला सम्मान और युवा भागीदारी पर दिया गया जोर

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री मैथिल ब्राह्मण महासभा भारत की भीलवाड़ा जिला इकाई द्वारा होली स्नेह मिलन एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन शहर के एक स्थानीय रिसॉर्ट में उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जयपुर से पधारे महासभा के राष्ट्रीय संयोजक बी.एस. झा मुख्य अतिथि तथा प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चंद्र झा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों का माल्यार्पण कर एवं दुपट्टा ओढ़ाकर पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि बी.एस. झा ने अपने संबोधन में समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति और सशक्तिकरण के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

वहीं विशिष्ट अतिथि सुभाष चंद्र झा ने समाज की वर्तमान स्थिति पर विचार रखते हुए कहा कि आपसी मतभेदों को भुलाकर एकता के साथ आगे बढ़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं के सम्मान तथा युवा शक्ति को समाज की गतिविधियों से जोड़ने पर भी जोर दिया, ताकि नई पीढ़ी अपनी परंपराओं और संस्कारों से परिचित हो सके।

कार्यक्रम का संचालन भीलवाड़ा जिले के संरक्षक डॉ. चेतन कुमार शर्मा एवं श्रीमती वंदना जी ने किया, जबकि श्रीमती भूमिका जी ने सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों का स्वागत कर उनका परिचय कराया।

इस अवसर पर कोषाध्यक्ष रमेश जी ने संगठन की वित्तीय स्थिति की समीक्षा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में उपस्थित श्रीमती आशा दुबे, उषा शर्मा, भारती मिश्रा, रेनू शर्मा और पुष्पेंद्र शर्मा सहित अन्य समाज बंधुओं ने अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क कर सदस्यता अभियान को बढ़ाने का संकल्प लिया।

वहीं विनोद मिश्रा, मनोज शर्मा, आशीष शर्मा, रविंद्र झा, डमलेश शर्मा सहित सभी उपस्थित समाजजनों ने संगठन को मजबूत बनाने और सदस्यता अभियान में पूर्ण सहयोग देने का विश्वास दिलाया।समारोह के दौरान अतिथियों द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर महासभा के नियमों का पालन करने, अनुशासित रहकर संगठन को मजबूत बनाने की शपथ दिलाई गई। अंत में योगेश शर्मा ने सभी अतिथियों और समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया। सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रायला में अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत, पहचान के प्रयास जारी

स्मार्ट हलचल

रायला। रायला भीलवाड़ा-अजमेर नेशनल हाईवे 48 पर रायला थाने के पास बीती रविवार रात को एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलने पर रायला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रायला की मोर्चरी में रखवाया है। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्र में पूछताछ की जा रही है तथा हर एंगल से मामले की जांच कर मृतक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

बरडौद नर्सरी हत्याकांड का खुलासा, हत्या व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हमीरगढ़ थाना पुलिस की कार्रवाई, अधेड़ की हत्या के बाद पत्नी से दुष्कर्म करने वाला आरोपी दबोचा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र में बरडौद गांव की नर्सरी में हुए अधेड़ की हत्या और उसकी पत्नी से दुष्कर्म के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी रमेश उर्फ राधेश्याम कालबेलिया (42) को गिरफ्तार किया है, जो घटना के बाद दूसरे राज्य भागने की फिराक में था। पुलिस के अनुसार 3 मार्च को सूचना मिली थी कि बरडौद की नर्सरी में मजदूरी करने वाले कालबेलिया समाज के लोगों के बीच विवाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक के भतीजे ने रिपोर्ट दी कि आरोपी रमेश उर्फ राधेश्याम ने अपनी पत्नी से मारपीट के दौरान बीच-बचाव करने आए शंकरलाल के साथ गंभीर मारपीट की, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने मृतक की पत्नी को टपरी में ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन व वृत्ताधिकारी माधव उपाध्याय के सुपरविजन में थानाधिकारी सुनील कुमार बेड़ा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने परंपरागत तरीके और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपी का पीछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पूर्व में भी कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बतादे की मामले में आगे की जांच जारी है।

जौहर श्रद्धांजलि मेले में विराट कवि सम्मेलन 13 मार्च को

चित्तौड़गढ़। आगामी 15 मार्च को आयोजित होने वाले जौहर मेले के कार्यक्रमों की श्रंखला में जौहर स्मृति संस्थान के तत्वावधान में 13 मार्च को रात्रि 8 बजे से शहर क सुभाष चौक में कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

संस्थान महामंत्री तेजपाल सिंह शक्तावत खोर ने बताया कि इस बार कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय चेतना एवं वीर रस के जाने माने कवि अशोक चारण जयपुर, हास्य कवि लोकेश महाकाली नाथद्वारा, कवियत्री आहुति शुक्ला अयोध्या, हास्य कवि दिनेश बंटी शाहपुरा, भूपेंद्र राठौर कोटा, अजय हिंदुस्तानी बेगू, अब्दुल जब्बार, नवीन सारथी चित्तौड़गढ़ आदि काव्य पाठ करेंगे।

सार्वजनिक शौचालय निर्माण की मांग को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा

लाडपुरा में बसों के प्रमुख ठहराव स्थल लाड़पुरा चौराहे पर शौचालय नहीं, छात्राओं को हो रही परेशानी

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। केंद्र सरकार की टीम द्वारा ग्राम पंचायत लाडपुरा में निरीक्षण एवं विभिन्न योजनाओं में लाभार्थी जुड़े। ग्राम लाड़पुरा के मुख्य चौराहे पर सार्वजनिक शौचालय निर्माण की मांग को लेकर ग्राम निवासी संदीप सुथार ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर समस्या से अवगत कराया।

ज्ञापन में बताया गया कि लाड़पुरा चौराहा कोटा, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा जाने वाली बसों सहित अन्य सभी वाहनों का प्रमुख

ठहराव स्थल है, जहाँ प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। इसी स्थान से आसपास के गांवों की स्कूल एवं कॉलेज जाने वाली छात्राएँ भी बसों से आवागमन करती हैं, लेकिन चौराहे पर सार्वजनिक शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण विशेष रूप से महिलाओं एवं छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस संबंध में पूर्व में भी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, प्रशासनिक शिविर तथा जिला परिषद भीलवाड़ा के सीईओ को ज्ञापन देकर समस्या से अवगत कराया जा चुका है।

ज्ञापन देने के दौरान कई ग्रामवासी, पंचायत सचिव तथा संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। ज्ञापन में लाड़पुरा चौराहे पर शीघ्र सार्वजनिक शौचालय निर्माण करवाने की मांग की गई, ताकि आमजन, राहगीरों तथा विशेष रूप से छात्राओं और महिलाओं को सुविधा मिल सके।

जिला परिषद सीईओ व सभी अधिकारियों के समक्ष ग्रामवासियों ने व युवाओं ने महिलाओं के शौचालय के लिए आ रही समस्या के लिए अवगत करवाया , सीईओ साहब ने बताया कलेक्टर व एसपी भीलवाड़ा से बात कर जल्द ही उसी जगह शौचालय बनवाने के लिए सकारात्मक आश्वासन की बात कही व जनप्रतिनिधियों भी उपस्थित थें।

महिला दिवस गणगौर उत्सव के रूप में मनाया

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ। रावणा राजपूत समाज की महिलाओ द्वारा महिला दिवस के उपलक्ष्य में गणगौर उत्सव आयोजित किया गया।

जिसमें सर्व प्रथम समाज के नोहरे में महिलाओं द्वारा गणेश पूजन किया गया । फिर मंदाकिनी महादेव से मेवाड़ की परम्परा के अनुसार सेवरा लाया गया।

इसके पश्चात समाज नोहरे में पारंपरिक गणगौर नृत्य, घूमर नृत्य किया गए। कार्यक्रम में जैसे ही ईशर गणगौर की झांकी के रूप में नन्हे शिव पार्वती जी का आगमन हुआ पूरा माहौल भक्तिमय हो गया और महिलाओं ने शिव पार्वती के साथ फूलों की होली खेली । कार्यक्रम में समाज की 200 से ज्यादा महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

मुंबई में आदिम जाति मीणा विकास एसोसिएशन ट्रस्ट का अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस व होली मिलन समारोह उत्साह के साथ आयोजित

स्मार्ट हलचल| मुंबई

मुंबई में आदिम जाति मीणा विकास एसोसिएशन ट्रस्ट द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज की महिलाओं, उनके परिवारजनों और बच्चों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही, जिससे पूरा आयोजन उत्साह, रंग और सांस्कृतिक उमंग से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम का आयोजन एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन पी.सी. मीणा के मार्गदर्शन और उपाध्यक्ष रेखा मीणा के नेतृत्व में किया गया। खास बात यह रही कि आदिम जाति मीणा विकास एसोसिएशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का यह पहला आयोजन था, जिसे समाज में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक एकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रीति मीणा (फर्स्ट लेडी, मुंबई मीणा समाज) रहीं। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज में महिलाओं की भूमिका, नेतृत्व और योगदान को सम्मान देना समय की आवश्यकता है और ऐसे आयोजन समाज को नई दिशा देते हैं।

समारोह में विशेष अतिथि के रूप में कैप्टन आर. तमिलसेलवन, विधायक सायन-कोलीवाड़ा (मुंबई) एवं उपाध्यक्ष मुंबई भाजपा, तथा गणपत कोटारी, चेयरमैन राजस्थान फाउंडेशन मुंबई भी उपस्थित रहे। इसके अलावा कार्यक्रम में ओ.पी. मीणा, डिप्टी कमिश्नर जीएसटी (नवी मुंबई) और ललित मीणा, चीफ इंजीनियर (मर्स्क लाइन - डेनमार्क की अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनी) सहित कई गणमान्य अतिथियों ने भी भाग लिया और समाज को एक मंच पर जोड़ने के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। आयोजन को रोचक और जीवंत बनाने के लिए विभिन्न खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया, जिसकी जिम्मेदारी रेखा मीणा ने संभाली।

समारोह का एक विशेष आकर्षण विनोद मीणा द्वारा लिखित पुस्तक 'बाबू जी अभी जिंदा है' का विमोचन भी रहा, जिसे अतिथियों और समाज के सदस्यों की उपस्थिति में जारी किया गया।

उल्लेखनीय है कि एसोसिएशन की उपाध्यक्ष रेखा मीणा ने मुंबई मीणा समाज में पहली बार महिला क्रिकेट मैचों के आयोजन की पहल भी की है, जिसे महिलाओं को खेलों और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में सराहनीय प्रयास माना जा रहा है। कार्यक्रम में समाज की वरिष्ठ महिला सदस्यों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने इस पहल की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को जारी रखने का आह्वान किया। अंत में होली मिलन समारोह के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, जिसमें सभी ने एक-दूसरे को रंगों के पर्व की शुभकामनाएं दीं और समाज की एकता, भाईचारे तथा महिला सशक्तिकरण के संकल्प को और मजबूत किया।

दबंगों ने गरीब की पुश्तैनी जमीन पर किया कब्जा, विरोध पर जान से मारने की धमकी

स्मार्ट हलचल| खखरेरू/ फतेहपुर

थाना क्षेत्र के चचींड़ा गांव में पुश्तैनी जमीन पर अवैध कब्जा कर निर्माण कार्य कराए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने तहसील प्रशासन को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है, जबकि इस घटना को लेकर ग्रामीणों में भी आक्रोश देखा जा रहा है।

गांव निवासी छोटे लाल यादव ने तहसीलदार को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि गाटा संख्या 441 की भूमि पर जमींदारी विनाश अधिनियम के पूर्व से उनके बुजुर्गों का कब्जा रहा है। आरोप है कि गांव के ही विष्णु पाल और उनके परिवार के लोग जबरन उक्त भूमि पर आवास का निर्माण कार्य करा रहे हैं।

पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने निर्माण कार्य का विरोध किया तो आरोपित गाली-गलौज करने लगे और जान से मारने की धमकी भी दी। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित भूमि गौचर की है, जिस पर अवैध रूप से कब्जा कर निर्माण कराया जा रहा है।

मामले की शिकायत मिलने पर तहसीलदार ने जांच के आदेश दे दिए हैं। ग्रामीणों में गौचर भूमि पर हो रहे कब्जे को लेकर आक्रोश है और वे जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

इस संबंध में नगर पंचायत के ईओ हरिगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामले की सूचना मिलने पर नगर पंचायत की टीम को मौके पर भेजा गया है। साथ ही लेखपाल व स्थानीय पुलिस को भी अवगत करा दिया गया है। फिलहाल निर्माण कार्य को रुकवा दिया गया है और मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

जयशंकर ने 'पश्चिम एशिया के हालात' पर संसद में दिया सुओ मोटो स्टेटमेंट

स्मार्ट हलचल|नई दिल्ली

राज्यसभा और लोकसभा में 'पश्चिम एशिया के हालात' पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अपनी तरफ से एक बयान (सुओ मोटो स्टेटमेंट) दिया। इस दौरान उन्होंने तनाव कम करने और अंदरूनी मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत एवं डिप्लोमेसी अपनाने पर जोर दिया और साथ ही संकट के समय में पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा को लेकर भी अपनी बात रखी। विदेश मंत्री ने क्षेत्र के सभी देशों की सॉवरेनिटी और टेरिटोरियल इंटीग्रिटी का सम्मान किए जाने पर जोर दिया।

विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, डॉ. जयशंकर ने राज्यसभा में कहा, पीएम नए हो रहे डेवलपमेंट पर करीब से नज़र रख रहे हैं और संबंधित मंत्रालय असरदार जवाब देने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। पूरे इलाके में आम ज़िंदगी और आर्थिक गतिविधियां साफ तौर पर प्रभावित हुई हैं और कुछ मामलों में तो रुक भी गई हैं। इसलिए, हमने 3 मार्च को बातचीत और डिप्लोमेसी के लिए अपनी अपील दोहराई और झगड़े को जल्द खत्म करने की बात कही। मुझे पूरा भरोसा है कि जानमाल के नुकसान पर दुख जताने में पूरा सदन मेरे साथ है।

उन्होंने कहा लगभग एक करोड़ भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में रहते और काम करते हैं। ईरान में भी, कुछ हज़ार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत ज़रूरी है और इसमें तेल और गैस के कई ज़रूरी सप्लायर शामिल हैं। खाड़ी देश एक बड़ा ट्रेड पार्टनर भी है, जो हर साल लगभग 200 अरब डॉलर का है। सदन को यह भी पता है कि पिछले दशक में इस इलाके से भारतीय अर्थव्यवस्था में काफ़ी निवेश हुआ है। इसलिए सप्लाई चेन में गंभीर रुकावटें और अस्थिरता का माहौल, जो हमें लगता है, गंभीर मुद्दे हैं। इसके अलावा इनमें मर्चेंट शिपिंग पर हमले भी शामिल हैं, जहां भारतीय नागरिक अक्सर क्रू का एक बड़ा हिस्सा होते हैं।

विदेश मंत्री ने बताया कि सरकार जून 2025 में 12 दिन के युद्ध के बाद से लगातार पश्चिम एशिया की स्थिति का आकलन कर रही है और सरकार ने ईरान सहित इलाके के सभी देशों में समय रहते विभिन्न एडवाइजरी के जरिए भारतीय समुदाय को सावधान किया है। मैं भी इन देशों में अपने काउंटरपार्ट्स के साथ करीबी संपर्क में रहा हूं। उन्होंने कहा डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ शिपिंग मुंबई ने भी भारतीय नाविकों के लिए अपनी एडवाइजरी जारी की, जिसमें उनसे एम्बेसी की एडवाइजरी का पालन करने और गैर-ज़रूरी आवाजाही से बचने के लिए कहा गया है।

जयशंकर ने बताया कि लड़ाई शुरू होने के बाद भारतीय दूतावास ने कई इंडियन स्टूडेंट्स को तेहरान के बाहर दूसरी जगहों पर शिफ्ट करने में मदद की है। हमारे डिप्लोमैट्स ने दुबई, दोहा और अबू धाबी जैसे हब में फंसे ट्रांज़िट पैसेंजर्स की मदद के लिए भी बहुत मेहनत की है। उन्होंने अंत में डी-एस्केलेशन, संयम और आम लोगों की सुरक्षा पक्का करने की वकालत करते हुए कहा कि एनर्जी सिक्योरिटी और ट्रेड फ्लो सहित हमारा राष्ट्रीय हित हमेशा सबसे ऊपर रहेगा।

डेगाना विधायक किलक के आरोपों पर पलटवार: पूर्व विधायक समर्थकों ने घेरा, बताया राजनीतिक द्वेष, भाजपा में उबाल

कार्यकर्ताओं ने सौंपा ज्ञापन, विधायक किलक के कार्यकाल के घोटालों की जांच की मांग की

स्मार्ट हलचल| डेगाना

विधानसभा क्षेत्र डेगाना में भारतीय जनता पार्टी के भीतर मचे घमासान ने अब बड़ा रूप ले लिया है। विधायक अजय सिंह किलक द्वारा विधानसभा सत्र में पूर्व विधायक विजयपाल मिर्धा पर 'दरी घोटाले' के आरोप लगाने के बाद कार्यकर्ताओं और समर्थकों का गुस्सा फूट पड़ा है। सोमवार को बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन सौंपकर विधायक किलक के खिलाफ मोर्चा खोला और आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया।

द्वेषपूर्ण राजनीति का आरोप

ज्ञापन में स्पष्ट कहा गया कि विधायक अजय सिंह किलक अपनी ही पार्टी के पूर्व विधायक विजयपाल मिर्धा के खिलाफ द्वेषतापूर्ण भावना रख रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मिर्धा के कार्यकाल में हुए विकास कार्य जगजाहिर हैं, लेकिन विधायक किलक बिना किसी तथ्य और आधार के उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे पार्टी परिवार की साख को आम जनमानस में ठेस पहुंची है।

विधायक के स्वयं के कार्यकाल की जांच की मांग

पलटवार करते हुए समर्थकों ने मांग की है कि वर्तमान विधायक अजय सिंह किलक के कार्यकाल के दौरान हुए बेनामी संपत्ति प्रकरण, समर्थन मूल्य पर मूंग खरीद घोटाला और पोषाहार घोटाले की निष्पक्ष जांच के लिए एक विशेष कमेटी बिठाई जाए। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि विधायक स्वयं भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में घिरे रहे हैं और अब ध्यान भटकाने के लिए झूठी बयानबाजी कर रहे हैं। अनुशासनात्मक कार्रवाई और माफी पर अड़े समर्थक सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि: अजय सिंह किलक अपने बयानों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। पार्टी नेतृत्व उनके विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करे। इस पूरे षड्यंत्र के पीछे छिपे चेहरों को बेनकाब करने के लिए उच्च स्तरीय जांच हो।

करजालिया में ब्राह्मण समाज (सर्कल सभा) की बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

मोड़ का निम्बाहेड़ा। मांडल उपखंड क्षेत्र के झरणेश्वर महादेव (गायत्री मंदिर) के अधीन करजालिया गांव में ब्राह्मण समाज की सर्कल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में समाज सुधार, संगठन की मजबूती एवं विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। झरणेश्वर महादेव मंदिर समिति के उपाध्यक्ष सत्यनारायण बोहरा ने बताया कि इस बैठक में 56/29 चौखला क्षेत्र के वरिष्ठ समाज बंधुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में करजालिया सर्कल अध्यक्ष बालूराम बोहरा के नेतृत्व में उपस्थित समाज बंधुओं का भगवा दुपट्टा ओढ़ाकर एवं साफा बंधवाकर स्वागत-अभिनंदन किया गया।

बैठक में झरणेश्वर महादेव गायत्री माता मंदिर मोड़का निम्बेहड़ा के अध्यक्ष हीरालाल उपाध्याय (डोलिया), सह कोषाध्यक्ष सत्यनारायण सुखवाल (हिसनियास), एकता मंच मांडल अध्यक्ष जगदीश चन्द्र शर्मा (दांता), दांता सर्कल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, उपाध्यक्ष श्याम पांड्या (भीमडियास), बेरा सर्कल अध्यक्ष उछब लाल शर्मा, सरेंडी सर्कल उपाध्यक्ष चांदमल जोशी, नानूराम तिवाड़ी (बाड़ी), भरत कुमार त्रिपाठी (गुलाबपुरा-शंभूगढ़), चुन्नीलाल जोशी, गोपाल जोशी (सापोला), घनश्याम पांड्या (अंटाली), कानजी तिवाड़ी, डालचंद जोशी, कैलाश उपाध्याय, रामेश्वर उपाध्याय (कबराडिया), विकास शर्मा, जगदीश ओझा (लांबिया), गोपाल (निंबाहेड़ा), चैनसुख, रामेश्वर (मांडल), कैलाश बोहरा, शिवलाल बोहरा (डोटा), देवकिशन पांड्या (भीमडियास), गोविंदराम व्यास, मांगीलाल पुरोहित, लादूलाल पुरोहित (दांता), कैलाश पुरोहित, रामेश्वर पुरोहित, गजानंद पुरोहित (बालानगर), बालूराम शर्मा, सत्यनारायण बोहरा एवं ओमप्रकाश व्यास (लुहारिया) सहित कई समाज बंधु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में गांव के समाज बंधुओं का सक्रिय सहयोग रहा।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो, सख्त कार्रवाई की मांग: सकल समाज ब्यावर ने जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो प्रसारित करने के मामले में सकल समाज ब्यावर के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने दोषी युवक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

यह ज्ञापन वीर हिन्दू आर्मी के संस्थापक पंकज वर्मा और मुकेश माली के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय में जिला कलेक्टर ज्ञापन में बताया गया है कि पाली जिले की जैतारण तहसील के ग्राम प्रतापगढ़ का एक युवक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अत्यंत आपत्तिजनक और भद्दी भाषा का प्रयोग करते हुए वीडियो प्रसारित कर रहा है। इन वीडियो में प्रयुक्त शब्दावली इतनी आपत्तिजनक है कि उसे सामान्य रूप से लिखना या बोलना भी संभव नहीं है।

समाज के लोगों का कहना है कि ऐसे वीडियो से सामाजिक मर्यादाओं को ठेस पहुंच रही है और युवा पीढ़ी तथा आमजन पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। प्रतिनिधियों ने यह भी बताया कि कई बार समझाने के बावजूद उक्त युवक अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। कार्यवाही की आशंका होने पर वह अस्थाई रूप से वीडियो हटाकर माफी मांग लेता है, लेकिन कुछ समय बाद फिर से उसी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री सोशल मीडिया पर प्रसारित करने लगता है। सकल समाज के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए निष्पक्ष जांच कर संबंधित युवक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

महिलाओं के सम्मान के साथ आयोजित हुआ श्री राम नगर का होली स्नेह मिलन समारोह

स्मार्ट हलचल

स्थानीय सेक्टर 14 में स्थित श्री राम नगर का होली स्नेह मिलन समारोह यहां स्थित रामेश्वर महादेव पार्क में आयोजित हुआ। कार्यक्रम प्रभारी युवराज सिंह सोलंकी ने बताया कि अध्यक्ष भोलानाथ यादव व संरक्षक राम सिंह सोलंकी के आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। जिसमें सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में तनिश सुहालका व प्रखर चान्दवानी, कनिष्ठ वर्ग में अनुरीत व अयांश सुहालका, नृत्य प्रतियोगिता में दिशा कसारा व धियाना सुहालका, कविता प्रतियोगिता में भीर सुहालका क्रमशः प्रथम व द्वितीय रहें। पारिवारिक प्रश्नोत्तरी में सुनंदा सुहालका व कुर्सी रेस में स्मिता व्यास प्रथम स्थान पर रही। सभी विजेताओं को सेवानिवृत्ति संभागीय आयुक्त सोमनाथ मिश्रा की तरफ से पुरस्कार प्रदान किए गए । कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं का पुष्प व उपरणा ओढा कर अभिनंदन किया गया। शानदार स्नेह भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रश्नोत्तरी का आयोजन विनय पूरी गोस्वामी ने किया व आभार सुनील सिंह ने व्यक्त किया।

गायत्री शक्तिपीठ विज्ञान नगर में नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न

शिवाभिषेक, वैदिक संस्कार व पूर्णाहुति के साथ हुआ महासप्रसादी का आयोजन

स्मार्ट हलचल |कोटा

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज, हरिद्वार की कोटा शाखा श्री गायत्री शक्तिपीठ विज्ञान नगर द्वारा आयोजित दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के अंतर्गत सोमवार को शिवाभिषेक दश स्नान, नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ, पूर्णाहुति एवं महासप्रसादी का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। व्यवस्थापक प्रभाशंकर दुबे ने बताया कि प्रातः 6 बजे शिवाभिषेक से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके पश्चात प्रातः 8 बजे सामूहिक नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ आयोजित किया गया। यज्ञ के दौरान नवजात शिशुओं के लिए अन्नप्राशन संस्कार, नामकरण संस्कार, गर्भाधान संस्कार तथा विद्यारंभ संस्कार सहित विभिन्न वैदिक संस्कार विधिपूर्वक सम्पन्न कराए गए। उन्होंने बताया कि नौ कुण्डीय यज्ञ का आयोजन लोकमंगल, पर्यावरण संरक्षण, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा समाज में नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन के उद्देश्य से किया गया।

मार्गदर्शक जी.डी. पटेल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ अखिल विश्व गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। वार्षिकोत्सव के प्रथम दिन रविवार को मंगलकलश यात्रा, व्यसन मुक्ति रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सम्मान समारोह आयोजित किए गए।

इस अवसर पर जोन समन्वयक ओमप्रकाश अग्रवाल, मार्गदर्शक जी.डी. पटेल, डॉ. प्रशांत अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

'नाटकों के महाकुंभ में उदयपुर के रंगमंच और साहित्य की उपस्थिति'

स्मार्ट हलचल| बीकानेर

जिले में आयोजित बीकानेर थिएटर फेस्टिवल के दसवें संस्करण में उदयपुर के रंगमंच और साहित्य का उल्लेखनीय प्रतिनिधित्व देखने को मिला। इस अवसर पर उदयपुर के रंगमंच से नाट्य निर्देशक सुनील टांक तथा वरिष्ठ साहित्यकार कुंदन माली को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया।

देश के प्रतिष्ठित रंग समारोहों में शामिल यह महोत्सव राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के भारत रंग महोत्सव के बाद देश का दूसरा बड़ा नाट्य उत्सव माना जाता है। नाटकों के इस महाकुंभ के रूप में प्रसिद्ध यह उत्सव इस वर्ष यह महोत्सव छह दिनों तक चला, जिसमें देशभर से रंगकर्मी अपनी नाट्य प्रस्तुतियों के साथ शामिल हुए।

महोत्सव में लगभग 30 से अधिक रंगमंचीय प्रस्तुतियाँ और करीब 50 नुक्कड़ नाटक मंचित किए गए। इसके साथ ही रंगमंच और साहित्य से जुड़े विषयों पर कई रंग चर्चाएँ आयोजित की गईं, जिनमें देश के अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकारों और रंगकर्मियों ने भाग लिया। इनमें प्रमुख रूप से नंद किशोर आचार्य, प्रदीप भटनागर, अर्जुन देव चारण, गोपाल आचार्य, मधु आचार्य, हरीश बी. शर्मा तथा सुरेन्द्र धारणिया सहित अनेक साहित्यकार और नाटककार उपस्थित रहे। महोत्सव का समर्पण राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पूर्व निदेशक देवेंद्र राज अंकुर को समर्पित किया गया और उनकी उपस्थिति में इस महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन को सुदेश व्यास और उनकी टीम ने निरंतर प्रयासों से राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

महोत्सव के दौरान निर्मोही व्यास सम्मान अजय कुमार को प्रदान किया गया। साथ ही राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के रंगमंडल प्रमुख राजेश सिंह की उपस्थिति में एनएसडी रंगमंडल की ओर से रामगोपाल बजाज के अंधायुग जैसे कई कालजयी नाटकों के मंचन हुए तो वहीं दूसरी और फिल्म सरफरोश, स्वदेश, मकड़ी, जंगल फिल्मों के अभिनेता मकरंद देशपांडे ने नाटक पियक्कड़ से अपनी अभिनय से मंत्रमुग्ध कर दिया पूरे बीकानेर शहर में अलग-अलग स्थानों पर नाट्य मंचन, साहित्यिक चर्चाएँ, पुस्तक दीर्घा, कार्यशाला, परिचर्चा, संगीत कार्यक्रम, लोक कला प्रस्तुतियां, हेरिटेज वॉक और नुक्कड़ नाटक जैसे अनेक आयोजन किए गए।

प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक विभिन्न आयोजनों के साथ संचालित होता है। देशभर से आए 1000 से अधिक रंगकर्मी और साहित्यकारों की सहभागिता से यह महोत्सव पूरे शहर को मानो एक सांस्कृतिक कुंभ का रूप दे देता है। इसी महोत्सव में वरिष्ठ साहित्यकार कुंदन माली ने उदयपुर के साहित्यिक योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए, वहीं नाट्य निर्देशक सुनील टांक ने उदयपुर के रंगमंच, लोक कलाओं और यहां की कला-संस्कृति से उपस्थित लोगों को परिचित कराते हुए शहर का प्रतिनिधित्व किया। साथ ही उदयपुर शहर और संभाग की विभिन्न कलाओं एवं सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराया।

होमगार्ड अभ्यर्थियों की नामांकन प्रक्रिया 29 से 31 मार्च तक

350 पदों के लिए 7711 अभ्यर्थी लेंगे भाग

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र उदयपुर में वर्ष 2022 के अभ्यर्थियों की नामांकन प्रक्रिया 29 मार्च से 31 मार्च 2026 तक चेतक सर्कल स्थित गांधी ग्राउंड में आयोजित की जाएगी।

गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र उदयपुर के कमाडेंट प्रणय जसोरिया ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया निदेशालय, गृह रक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा गठित चयन समिति (बोर्ड) के सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न होगी। चयन समिति में केन्द्र/गण के समादेष्टा, गृह रक्षा महानिदेशक के प्रतिनिधि तथा जिला पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे। तीन दिनों तक चलने वाली इस नामांकन प्रक्रिया में केन्द्र के 350 रिक्त पदों के विरुद्ध कुल 7711 अभ्यर्थी भाग लेंगे। अभ्यर्थियों को प्रक्रिया की सूचना मोबाइल पर एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से भेजी जाएगी। अभ्यर्थी दिए गए लिंक या विभागीय वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। गृह रक्षा स्वयंसेवकों की नामांकन प्रक्रिया लगभग तीन सप्ताह तक चलने की संभावना है। इसके लिए विभिन्न जिलों के अभ्यर्थियों को अलग-अलग तिथियों और समय पर उपस्थित होने के लिए बुलाया जाएगा। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर मूल निवास, आयु, शैक्षणिक योग्यता, विशेष योग्यता, जाति, चिकित्सा, विवाह और पुलिस सत्यापन प्रमाण-पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा। नामांकन स्थल पर प्रवेश के बाद किसी भी अभ्यर्थी को ग्राउंड से बाहर जाकर दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं होगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्यालय के दूरभाष नंबर 0294-2940209 पर संपर्क कर सकते हैं।

कोटा-बूंदी दुग्ध संघ के अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ को राष्ट्रीय सम्मान

किसानों और दुग्ध उत्पादकों के हित में कार्य के लिए चैनसिंह राठौड़ केन्द्रीय मंत्री से सम्मानित, दुग्ध सहकारिता क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य पर चैनसिंह राठौड़ दिल्ली में सम्मानित

स्मार्ट हलचल| नई दिल्ली/कोटा

किसानों एवं पशुपालकों के हितों में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ तथा कोटा सहकारी भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष चैनसिंह राठौड़ को नई दिल्ली में आयोजित आयोजित एक गरिमामय समारोह में सम्मानित किया गया। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मंडाविया ने उन्हें प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

केंद्रीय मंत्री मंडाविया ने कहा कि देश के विकास में जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले ऐसे जनप्रतिनिधि और सहकारिता से जुड़े कार्यकर्ता ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प के वास्तविक सारथी हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा किसानों और पशुपालकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में ऐसे समर्पित व्यक्तित्वों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

चैनसिंह राठौड़ ने बताया कि राजस्थान के 24 दुग्ध संघों में से कोटा-बूंदी दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ का चयन इस सम्मान के लिए

किया गया। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य के संघ में वे स एकमात्र प्रतिनिधि रहे, जिन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ है।सोमवार कोटा आगमन पर राठौड़ के सम्मानित होने पर कोटा सहकारी भूमि विकास बैंक में राठौड़ स्वागत व सम्मान किया गया,जहां उपाध्यक्ष भंवर सिंह हाड़ा तथा संचालक निहाल सिंह राठौड़, राधाकिशन मीणा, मुकेश मीणा, जगदीश प्रसाद मीणा, जगदीश शर्मा,बाबूलाल बैरवा,मांगीलाल मेहरा एवं बैंक सचिव ऋतु सपरा (उप रजिस्ट्रार) पुष्प गुच्छ भेंट व माला पहनाकर स्वागत किया।

अपने उद्बोधन में राठौड़ ने इस सम्मान को क्षेत्र के किसानों, दुग्ध उत्पादकों तथा सहकारिता से जुड़े सभी कार्यकर्ताओं की सामूहिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें और अधिक जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। राठौड़ ने विश्वास व्यक्त किया कि सहकारिता की भावना को मजबूत करते हुए दुग्ध उत्पादकों और पशुपालकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा ग्रामीण विकास को गति देने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि कोटा-बूंदी क्षेत्र में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने, पशुपालकों को उचित मूल्य दिलाने और सहकारी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में संघ लगातार कार्य कर रहा है, जिसका लाभ हजारों किसानों को मिल रहा है।

मटोंक में बढ़ती चोरियों से दहशत

सूने मकान बन रहे निशाना, पुलिस गश्त पर उठ रहे सवाल

स्मार्ट हलचल

टोंक। जिले में इन दिनों चोरी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पहले जहां अधिकतर चोरियां रात के अंधेरे में होती थीं, वहीं अब दिनदहाड़े भी सूने घरों को निशाना बनाया जा रहा है। इससे टोंक शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के बीच डर और चिंता का माहौल बन गया है।

जानकारी के अनुसार टोंक शहर सहित जिले के कई इलाकों में पिछले कुछ समय से चोरी की वारदातें बढ़ने लगी हैं। शातिर चोर गिरोह विशेष रूप से उन घरों को निशाना बना रहे हैं जहां लोग किसी काम से बाहर गए हों या घर लंबे समय तक बंद रहता हो। कई मामलों में चोर दिन के समय ही घरों में घुसकर नकदी और कीमती सामान लेकर फरार हो रहे हैं।

लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं के बाद पुलिस की गश्त व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि संवेदनशील इलाकों में नियमित और सख्त गश्त की जाए तो ऐसी वारदातों पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। शहरवासियों व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि चोरी

की बढ़ती घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए गश्त बढ़ाई जाए, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए और चोर गिरोह को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

आमजन को भी सतर्क रहने की जरूरत

प्रशासन की कार्रवाई के साथ-साथ आम लोगों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। घर खाली छोड़ते समय पड़ोसियों को सूचना देना, सीसीटीवी कैमरे लगवाना और संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी तुरंत पुलिस को देना बेहद जरूरी है।यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई कर चोरी जैसी घटनाओं को रोका जा सके। बढ़ती चोरियों को देखते हुए अब जरूरी है कि पुलिस प्रशासन कड़ी कार्रवाई करे और आमजन भी सतर्कता बरतें, तभी इस तरह की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है।

वन विभाग का सराहनीय नवाचार: दो विद्यालयों को 50 बेंचें भेंट

स्मार्ट हलचल|सुनेल

सुनेल क्षेत्र में शिक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए वन विभाग ने नवाचार का परिचय दिया। उप वन संरक्षक झालावाड़ के निर्देशन में सोमवार को दो राजकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए बेंचें उपलब्ध कराई गईं। इस पहल के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कड़ोदिया तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिरपाई में 25-25 बेंचें प्रदान की गईं। बेंचें मिलने से विद्यार्थियों की पढ़ाई अधिक सुगम होगी और विद्यालयों में बैठने की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों और विद्यालय स्टाफ ने वन विभाग की इस जनहितकारी पहल के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व जिला परिषद सदस्य फतेहसिंह सोनगरा, कड़ोदिया सरपंच प्रतिनिधि प्रेमसिंह पाटीदार, वन कर्मचारी लालसिंह गुर्जर, देवेंद्र सिंह चन्द्रावत, कैलाश चन्द सेन (अध्यक्ष, ग्राम वन सुरक्षा एवं प्रबंधन समिति कड़ोदिया) सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। स्थानीय लोगों ने कहा कि वन विभाग की यह पहल शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाने वाली है और ऐसे नवाचार भविष्य में भी जारी रहने चाहिए।

सामाजिक कार्यकर्ता अनीता मीणा ने मानव सेवा पखवाड़े के तहत मनाया अपना जन्मदिन

व्यक्ति का सेवा और समर्पण ही जीवन का उद्देश्य हो- अनिता मीणा

स्मार्ट हलचल

जयपुर। सामाजिक कार्यकर्ता, जयपुर इमली फाटक निवासी प्रमुख समाजसेवी, और सारथी फाउंडेशन की फाउंडर, अनीता मीणा ने सोमवार 9 मार्च को अपने जन्मदिन को मानव सेवा पखवाड़े के तहत विभिन्न सेवा कार्य कर मनाया। इस अवसर पर उन्होंने वृद्धाश्रम में 250 लोगों को भोजन करवाकर उन्हें वस्त्र भेंट किए और उनका आशीर्वाद लिया।

अपना घर आश्रम जामडोली में की वृद्धजनों की सेवा

- अनीता मीणा ने अपने जन्मदिन को मानव सेवा पखवाड़े के तहत मनाने का निर्णय लिया। जयपुर जामडोली में स्थित अपना घर वृद्धा आश्रम पहुंचकर उन्होंने वृद्धाश्रम में 250 लोगों को भोजन करवाकर उन्हें वस्त्र भेंट किए इस दौरान उनके साथ उनके पति जगदीश नारायण मीणा, रामकेश मीना, अनीता नागर, लक्ष्मी मीणा, पेरिस शर्मा, ओमबाला मीना, चंचल सहित कहीं उनके परिवार जनों व मित्र मंडली के कहीं लोग उपस्थित रहे इस

सेवा कार्य में उन्होंने भी अपने हाथों से वृद्धजनो की सेवा की। इस अवसर पर उन्होंने समाज में सामाजिक संदेश देते हुए कहा कि सेवा और समर्पण ही जीवन का उद्देश्य है। अनीता मीणा ने कहा कि सारथी फाउंडेशन के माध्यम से वे समाज को एक नया नाम देना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वे समाज के हर वर्ग की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर जरूरतमंद दीन-हीन असहाय लोगों की मदद सहायता करनी चाहिए।

सामाजिक संदेश: अनीता मीणा ने कहा कि व्यक्ति का सेवा और समर्पण ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें समाज के हर वर्ग की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सारथी फाउंडेशन के माध्यम से वे समाज को एक नया नाम देना चाहती हैं।

इस दौरान अनीता मीणा के सेवा कार्यों की लोगों ने जमकर सराहना करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई शुभकामनाएं संदेश सोशल मीडिया पर खूब दी लोगों ने! लोगों कुछ इस तरह उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की आपकी सेवा और समर्पण को सलाम।

चित्तौड़गढ़ भाजपा सांसद सी.पी. जोशी पहुंचे जमवारामगढ़

जिला मंत्री राजेन्द्र शर्मा आंधी के पारिवारिक शादी समारोह में की शिरकत

स्मार्ट हलचल|जमवारामगढ़

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष तथा चित्तौड़गढ़ भाजपा सांसद सी.पी. जोशी रविवार को जमवारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के आंधी कस्बे में पहुंचे । आंधी में भाजपा जिला मंत्री राजेन्द्र शर्मा आंधी के छोटे भाइयों के लग्न टीका कार्यक्रम (विवाह समारोह) के मांगलिक अवसर पर शुभकामनाएं दीं । तथा नवयुगल के उज्जवल भविष्य के लिये परिजनों को मंगलकामनाऐं प्रेषित की। इस दौरान जमवारामगढ़ विधायक महेंद्रपाल मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर तथा साफा पहनाकर सांसद सी.पी. जोशी का अभिनंदन किया। बता दें कि राजेन्द्र शर्मा आंधी चितौड़गढ़ सांसद सी.पी.जोशी के करीबी माने जाते हैं । कार्यक्रम में महुआ विधायक राजेंद्र मीणा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक मोहन सिंह, अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष बिरदी चंद शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम अलियाबाद, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शम्भू कुईवाला, पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा सहित काफी संख्या में अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। राजेन्द्र शर्मा आंधी ने कहा कि अतिथियों ने पधारकर नवयुगल को अपना स्नेह, आशीर्वाद एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं, जिससे हमारा यह पारिवारिक समारोह और भी गौरवान्वित एवं यादगार बन गया। आप सभी सम्माननीय अतिथियों का हृदय से हार्दिक आभार एवं अभिनंदन किया।

विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

चित्तौड़गढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में ए.एन.एम. सेन्टर में सचिव सुनील कुमार गोयल द्वारा लोक कल्याणकारी सेवाओं से आमजन को अवगत करवाने के लिए विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान प्राधिकरण सचिव गोयल ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित गरीबी उन्मूलन योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन योजना 2015, जनजातीय अधिकारों का संरक्षण और प्रवर्तन योजना 2015, एसिड हमले के पीड़ितों को कानूनी सेवा योजना 2016, बच्चों के लिए बाल अनुकूल कानूनी सेवा योजनाएं 2014 एवं राजस्थान पीड़ित मुआवजा योजना से उपस्थित जन को अवगत करवाया। उन्होने महिलाओं को उनके अधिकारों से अवगत करवाते हुए उनके प्रति सम्मान, समानता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देने एवं उनके अधिकारों की रक्षा करने का आह्वान किया।

रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता से नाबालिग बालिका सुरक्षित बरामद

ट्रेन में बहला-फुसलाकर ले जा रहे युवक को उतारकर पुलिस के सुपुर्द किया गया

स्मार्ट हलचल| कोटा

पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल में रेलवे सुरक्षा बल की सतर्कता से एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित बरामद कर महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। सूचना के आधार पर ट्रेन संख्या 20921 बांद्रा-लखनऊ एक्सप्रेस के कोच में संदिग्ध रूप से यात्रा कर रहे युवक एवं नाबालिग बालिका की पहचान कर उन्हें भवानीमंडी स्टेशन पर उतारा गया और आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित पुलिस को सुपुर्द किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को प्राप्त सूचना के अनुसार ट्रेन संख्या 20921 बांद्रा-लखनऊ एक्सप्रेस के कोच संख्या एस-5 में एक युवक द्वारा नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका व्यक्त की गई थी। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल की टीम ने सतर्कता बरतते हुए भवानीमंडी स्टेशन पर ट्रेन के आगमन पर संबंधित कोच की जांच की। ड्यूटी पर तैनात टिकट परीक्षक से प्राप्त जानकारी और पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए फोटो के

आधार पर संदिग्ध युवक और बालिका की पहचान की गई।

रेलवे सुरक्षा बल द्वारा दोनों को सुरक्षित रूप से ट्रेन से उतारकर आवश्यक पूछताछ की गई। बालिका से महिला पुलिस की उपस्थिति में पूछताछ की गई, जिसमें उसने स्वयं को बिहार निवासी बताया। वहीं युवक द्वारा पूछताछ में उसे बहला-फुसलाकर साथ ले जाने की बात सामने आई।इसके पश्चात पूरी कार्रवाई की सूचना संबंधित राज्य की पुलिस को दी गई। बाद में गुजरात पुलिस के अधिकारी अपने दल के साथ भवानीमंडी पहुंचे और विधिवत दस्तावेजी कार्रवाई के बाद नाबालिग बालिका तथा आरोपी युवक को अग्रिम कानूनी कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गए।

रेलवे सुरक्षा बल की इस सतर्क कार्रवाई से एक नाबालिग बालिका को सुरक्षित बरामद कर मानव तस्करी एवं अपराध की संभावित घटना को समय रहते रोका जा सका।

महिला सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य पर जागरुकता कार्यक्रम

चित्तौड़गढ़। सीए ब्रांच चित्तौड़गढ़ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य एवं कार्य-जीवन संतुलन पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन अरावली हिल रिज़ॉर्ट में वुमन एंड यंग मेंबर एंपावरमेंट कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

ब्रांच की वाइस चेयरपर्सन सीए दीप्ती सेठिया ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य महिला सदस्यों को पेशेवर जीवन के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य, समय प्रबंधन और जीवन में संतुलन के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के प्रथम सत्र की वक्ता सीए अंकुर गोयल रहीं। जिन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि जो लोग कहते हैं कि लड़कियां कमजोर हैं, उन्हें उनकी क्षमताओं को कम नहीं आंकना चाहिए। महिलाएं किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं और किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकती हैं।

सूंथडा कस्बे में बंदरों का आतंक- छात्रों व ग्रामीणों में दहशत-प्रशासन से बंदरों को पकड़ने की मांग

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। जिले के उनियारा उपखण्ड क्षेत्र की ग्राम पंचायत सूंथडा में इन दिनों बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सुबह से लेकर शाम तक बंदरों के झुंड गांव की गलियों, घरों की छतों, स्कूलों और खेतों में उत्पात मचा रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

सामाजिक कार्यकर्ता ब्रह्मा प्रकाश गुर्जर सहित ग्रामीणों ने बताया कि बंदर घरों में घुसकर अनाज और खाने-पीने की वस्तुओं को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कई बार छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर झपटने की घटनाएं भी सामने आई हैं। स्कूली बच्चों को भी बन्दरों के आतंक से परेशानी हो रही हैं। महिलाएं छत पर कपड़े सुखाने या आंगन में काम करने से डर रही हैं। किसानों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खेतों में लगी सब्जियों और अन्य फसलों को बंदर बर्बाद कर रहे हैं, जिससे आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ग्रामीणों की मांग

ग्रामवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द वन विभाग की टीम भेजकर बंदरों को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ा जाए। साथ ही इस समस्या के स्थायी समाधान की भी व्यवस्था की जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।

प्रशासन की प्रतिक्रिया

स्थानीय ग्राम पंचायत प्रशासन का कहना है कि शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित विभाग को सूचना दे दी गई है और जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे सामूहिक रूप से धरना-प्रदर्शन और पंचायत मुख्यालय पर तालाबंदी करने को मजबूर होंगे।

बारां में जिला स्तरीय अग्र महिला अधिवेशन सम्पन्न

स्मार्ट हलचल

बारां। अग्रवाल महिला जागृति संगठन बारां द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तरीय अग्र महिला अधिवेशन में नाहरगढ़ अग्रवाल महिला मंडल ने भी भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। ढोलक की थाप, फूलों की वर्षा, नारी सशक्तिकरण के बारे में चर्चा, कृष्ण-राधा की आकर्षक झांकी, शानदार प्रस्तुतियां, महिला डॉक्टर्स की उपस्थिति, विभिन्न आकर्षक ड्रेस में सजी-धजी नारी शक्ति, अग्र महिल अधिवेशन की भव्यता को बयान कर रही थी।

संगठन संस्थापिका मंजू गर्ग, अध्यक्षा मैना बंसल, मुख्य संयोजक मंजू गोयल ने नाहरगढ़ महिला मंडल की यशोदा गोयल,चंदा जिंदल, ललिता सिंघल,मेघा जैन, राधा जिंदल, मोना मित्तल,मीनू जैन का सभी पदाधिकारियों व अग्र मातृ शक्ति का ब्रोंच लगाकर दुपटटा व मोमेंटों भेंटकर संगठन द्वारा स्वागत सम्मान किया। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता आनंद गर्ग, विशिष्ट अतिथि श्री वैष्णव अग्रवाल पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अशोक बंसल, धर्मेंद्र गोयनका, संजय गोयल, अग्रवाल कर्मचारी संघ अध्यक्ष बृजमोहन गोयल, महामंत्री विरेंद्र गोयल, सुनील अगग्राल को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री वैष्णव अग्रवाल पंचायत अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता द्वारा की गई। अतिथियों द्वारा श्री अग्रसेन जी महाराज के समक्ष दीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। संयोजक मंजू गोयल ने विभिन्न क्षेत्रों से पधारी महिला टीमों छीपाबडौद, केलवाडा, नाहरगढ, कवाई, खानपुर, अंता, भंवरगढ की महिलाओं का स्वागत किया वहीं अपनी अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम मुख्य संयोजक मंजू गोयल व सुमन ड्रोलिया ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं में समर्पित डा. उषा अग्रवाल, डा. मणि गोयल, डा. कृषि गोयल, डा. लक्ष्मी गोयल, डा. सिम्पल अग्रवाल, डा. सुचिता गोयल, डा. गरिमा अग्रवाल, डा. मधु गुप्ता, डा. पिंकी जैन की उपस्थिति ने अधिवेशन की शोभा बढाते हुए संगठन के महिला अधिवेशन की प्रशंसा की। का मन मोह लिया। सभी ने खुशनुमा वातावरण में राधाकृष्ण के साथ झूमकर नृत्य करते हुए फूलों की होली खेली।

अधिवेशन में बडी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। बच्चों में बढते हुए फास्टफूड का उपयोग, प्री वेडिंग, बच्चों में संस्कार में मातृशक्ति की भूमिका, मातृभूमि को छोडकर अन्य जगह पर बच्चों का कार्य करना, युवक व युवतियों की विवाह में देरी आदि बिन्दुओं के साथ सभी ने अपने विचार रखे। संस्थापिका मंजू गर्ग ने सभी अतिथियों व अग्र मातृशक्ति को धन्यवाद व आभार प्रकट किया। अंत में वात्सल्य भोज का आनंद लिया।

राजकीय स्कूल में 36 छात्राओं को साइकिलें वितरित

स्मार्ट हलचल|सूरौठ

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हुक्मीखेड़ा में साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नौवीं कक्षा में अध्ययनरत 36 छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरित की गई। प्रधानाचार्य मणिकांत गुप्ता ने बताया कि राज्य सरकार की निःशुल्क साइकिल योजना के अंतर्गत कक्षा 9 में अध्ययनरत 36 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें भेंट की गई। इस अवसर स्थानीय विद्यालय के कमाल खान, राजेश बघेल, राजूलाल पी टी आई, शैलेश कुमार,अमित कुमार, राजेश कुमार शर्मा, सोहन सिंह दीपक रोतवाल, सुनील शर्मा, राजेंद्र, ऊषा, प्रतिभा, राजकुमारी आदि अध्यापक गण उपस्थित रहे।

कितने ताकतवर साबित होंगे नेपाल के बालेन शाह?

सौरभ वार्ष्णेय

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

भारत की सीमा से जुड़े देश नेपाल के नये राजनीतिज्ञ के रूप में उभरे बालेन शाह एक ऐसा नाम बन गये हैं, जिसने पारंपरिक दलों की राजनीति को चुनौती देकर एक मिसाल काल कायम कर दी है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल में यह पहला आम चुनाव है। ऐसे संवेदनशील ता के बाद काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर के रूप में उनकी पार्टी की जीत ने यह संकेत दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक ढांचे से हटकर नए और स्वतंत्र नेतृत्व को अवसर देने के लिए तैयार है। इंजीनियर, रैपर और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाने वाले बालेन शाह की लोकप्रियता मुख्यतः उनकी साफ-सुथरी छवि, तेज निर्णय क्षमता और सिस्टम को बदलने के वादे पर खरे उतरने वाले राजनेता बन गए हैं।

नेपाल में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था है और वहां की संसद दो सदनों से मिलकर बनी। इनमें निचला सदन प्रतिनिधि सभा और ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा कहलाता है। प्रतिनिधि सभा को भारत की लोकसभा की तरह माना जाता है। ऐसे में उनकी पार्टी नेपाल के संसदीय चुनाव के नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं। शुरूआती रुझानों में काठमांडू के पूर्व मेयर और युवा नेता बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। 35 वर्षीय बालेन शाह की पार्टी कई सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। वहीं नेपाल में पिछले काफी समय से युवाओं के बीच राजनीति को लेकर बढ़ती सक्रियता देखने को मिली है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद देश में यह पहला आम चुनाव है। उस आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था और सांसद भंग कर दी गई थी।

हम बात करे तो बालेन शाह की तो उन्होंने मेयर बनने के बाद अचानक अपने वायदे अनुसार काठमांडू में अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित शहरी ढांचे को सुधारने और प्रशासनिक पारदर्शिता लाने जैसे कई कदम उठाए जिससे वह इन फैसलों के कारण आम से खास बनते चले गए। इस सबमें खास बात यह है कि बालेन शाह किसी बड़े राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हैं, फिर भी उन्होंने स्थापित नेताओं को हराकर सत्ता तक पहुंच बनाई। यह बदलाव नेपाल की राजनीति में एक नई सोच का संकेत देता है। अब सवाल उठता है कि वह नेपाल में चेहते तो बन गए पीएम बनते हैं तो क्या उनकी वास्तविक ताकत कितनी होगी। स्थानीय निकाय के प्रमुख के रूप में उनकी शक्तियां सीमित थी और कई बड़े निर्णय प्रांतीय या

केंद्रीय सरकार के स्तर पर लिए जाते हैं। ऐसे में कई बार उनकी योजनाएं नौकरशाही या राजनीतिक खींचतान में फंस जाती हैं। यही वजह है कि लोकप्रियता के बावजूद उनके सामने व्यवस्था की जटिलताएं बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं। इसके बावजूद बालेन शाह की सबसे बड़ी ताकत जनता का भरोसा है। यदि वह अपने काम और पारदर्शी प्रशासन से लोगों का विश्वास बनाए रखते हैं, तो उनकी राजनीतिक भूमिका केवल काठमांडू तक सीमित नहीं रहेगी। भविष्य में वे नेपाल की राष्ट्रीय राजनीति में भी प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं।

अगर हम उनकी कर्मठ राजनीति की बता करें तो नेपाल की राजनीति में अचानक उभरे युवा चेहरों में बालेन शाह का नाम सबसे प्रमुख है। पेशे से इंजीनियर और पहले एक लोकप्रिय रैपर रहे शाह ने 2022 में काठमांडू महानगर के मेयर का चुनाव जीतकर पारंपरिक राजनीतिक दलों को चौंका दिया। उनकी जीत को युवाओं की उम्मीद और भ्रष्ट राजनीति के खिलाफ जनाक्रोश का प्रतीक माना गया। सवाल यह है कि मेयर बनने के बाद वे कितने कारगर साबित हुए?

बालेन शाह के कार्यकाल की शुरूआत काफी आक्रामक और प्रतीकात्मक कदमों से हुई। शहर में अवैध कब्जों और अतिक्रमण के खिलाफ उन्होंने बुलडोज? अभियान चलाया, जिससे कई इमारतों और संरचनाओं को हटाया गया। इसका उद्देश्य सार्वजनिक जमीन को मुक्त कर शहर को व्यवस्थित बनाना था।

बालेन शाह का कार्यकाल विवादों से भी घिरा रहा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को कई लोगों ने कठोर और असंवेदनशील बताया, क्योंकि इससे छोटे व्यापारियों और गरीब वर्ग पर असर पड़ा। सड़क किनारे दुकानदारों के खिलाफ सख्ती और नगर पुलिस द्वारा बल प्रयोग के आरोपों ने भी आलोचना को जन्म दिया। मानवाधिकार संगठनों ने इसे गरीबों के जीवनयापन पर असर डालने वाला कदम बताया।इसके अलावा प्रशासनिक टकराव, कर्मचारियों के वेतन विवाद और कुछ योजनाओं के अधूरे रहने से भी उनकी कार्यशैली पर सवाल उठे। बालेन शाह की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यह रही कि उन्होंने काठमांडू की राजनीति में नई ऊर्जा और जवाबदेही का माहौल पैदा किया। उन्होंने यह संदेश दिया कि नगर प्रशासन भी सख्ती से काम कर सकता है और राजनीतिक दबाव से परे निर्णय ले सकता है। लेकिन उनकी सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि बड़े वादों को संस्थागत और स्थायी परिणामों में बदलना आसान नहीं होता। शहर की ट्रैफिक समस्या, कचरा प्रबंधन और शहरी अव्यवस्था जैसी कई समस्याएँ अभी भी पूरी तरह हल नहीं हो सकी हैं।कुल मिलाकर बालेन शाह को न तो पूरी तरह असफल कहा जा सकता है और न ही पूरी तरह सफल। उन्होंने काठमांडू की राजनीति में बदलाव की शुरूआत की है, लेकिन उस बदलाव को स्थायी परिणामों तक पहुँचाने की कसौटी अभी बाकी है।अगर उनकी ऊर्जा और ईमानदार छवि प्रशासनिक अनुभव और संस्थागत सहयोग के साथ जुड़ सके, तो वे नेपाल की राजनीति में एक दीर्घकालिक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं।

भारत की नेपाल से अपेक्षा

भारत के बीच संबंधों का सवाल केवल किसी एक नेता की व्यक्तिगत सोच का नहीं, बल्कि नेपाल-भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों से भी जुड़ा हुआ है। फिर भी हाल के वर्षों में काठमांडू महानगर के मेयर के रूप में बालेन शाह की सक्रियता और उनकी स्पष्टवादी शैली ने इस विषय को नई चर्चा दी है।

नेपाल और भारत के रिश्ते सदियों पुराने हैं। खुली सीमा, सांस्कृतिक समानताएं, धार्मिक आस्था और व्यापारिक निर्भरता दोनों देशों को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं। ऐसे में काठमांडू महानगर के मेयर बालेन शाह की भारत को लेकर कही गई बातों और उनके रुख पर स्वाभाविक रूप से ध्यान जाता है। बालेन शाह युवा, तकनीकी पृष्ठभूमि से आने वाले और पारंपरिक राजनीति से अलग छवि वाले नेता हैं। उन्होंने काठमांडू में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और प्रशासनिक सुधारों को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। इसी स्पष्टवादी शैली के कारण कभी-कभी उनके बयान भारत-नेपाल संबंधों को लेकर भी चर्चा में आ जाते हैं। दरअसल, नेपाल की राजनीति में समय-समय पर भारत और चीन के बीच संतुलन की बहस चलती रही है। बालेन शाह भी कई बार राष्ट्रीय स्वाभिमान और नेपाल की स्वतंत्र नीति की बात करते दिखाई देते हैं। यह दृष्टिकोण नेपाल के युवाओं के एक वर्ग में लोकप्रिय भी है, जो चाहता है कि नेपाल अपने हितों के आधार पर निर्णय ले।हालांकि यह भी सच है कि भारत और नेपाल के संबंध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जन-जन के रिश्ते हैं। लाखों नेपाली भारत में काम करते हैं, दोनों देशों के बीच व्यापार और आवागमन बेहद सहज है। इसलिए किसी भी नेता के लिए यह जरूरी है कि वह राष्ट्रीय हित के साथ-साथ इन ऐतिहासिक संबंधों की संवेदनशीलता को भी समझे। बालेन शाह जैसे युवा नेताओं से उम्मीद यही है कि वे नेपाल के विकास और स्वाभिमान को मजबूत करने के साथ-साथ पड़ोसी देशों के साथ सहयोग और संवाद का रास्ता भी खुला रखें। भारत और नेपाल के रिश्ते प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी के आधार पर ही आगे बढ़ सकते हैं।

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

संपादकीय

ताकि बचे बचपन

डिजिटल क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्य कर्नाटक ने सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बचाने के लिये देश में सबसे पहले अनुकरणीय पहल की है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि किशोरवय अब सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इस प्रकार ये दो राज्य तेजी से ऑनलाइन होती दुनिया में 'किशोरों की सुरक्षा कैसे की जाए', की वैश्विक बहस में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल पहले आस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि देशों में हो चुकी है। हालांकि, इन राज्यों की पहल सराहनीय है, लेकिन इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, इसका प्रारूप अभी स्पष्ट नहीं है। दरअसल, देश-दुनिया के मनोवैज्ञानिक और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उल्लेखनीय है कि इस चिंता का जिक्र 2025-26 के केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी किया गया था। कर्नाटक व आंध्र प्रदेश की यह पहल तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के प्रति एक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण ही दशार्ती है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इस कार्य योजना को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा? यह हकीकत जानते हुए कि आज के डिजिटल युग में, स्मार्टफोन और ऐप्स शिक्षा, संचार और दैनिक जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि तमाम स्कूल असाइनमेंट और अपडेट के लिये मैसेजिंग एप्स, ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही वजह है कि छात्रों द्वारा 'शैक्षिक' और 'सामाजिक' उपयोग के बीच अंतर करना मुश्किल साबित हो सकता है। वहीं चिंता की बात यह भी कि किशोरों की आयु का सत्यापन कैसे व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। वहीं देखना होगा कि सोशल मीडिया को संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां किस हद तक इस दिशा में सहयोग करेंगी। सहयोग न मिलने पर प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवालिया निशान लग सकते हैं।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी।

परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता।

तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

कांतिलाल मांडोत

विश्व युद्ध की आहट और मानवता के सामने खड़ा विनाश का संकट

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहां शक्ति प्रदर्शन और प्रतिशोध की राजनीति मानवता के भविष्य पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रहा बल्कि यह पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय बन गया है। जिस तरह से एक के बाद एक मिसाइल हमले ड्रोन हमले और बमबारी हो रही है उससे यह आशंका गहराने लगी है कि कहीं यह संघर्ष व्यापक युद्ध का रूप न ले ले। युद्ध का इतिहास हमेशा यही बताता है कि इसकी आग में केवल सैनिक ही नहीं बल्कि आम नागरिक भी झुलसते हैं और सभ्यता को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

हाल के दिनों में समुद्र और आसमान दोनों ही युद्ध के मैदान बन गए हैं। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है। युद्धपोतों पर हमले तेल टैंकरों को निशाना बनाना और बड़े शहरों पर बमबारी यह संकेत देते हैं कि स्थिति लगातार खतरनाक होती जा रही है। इन हमलों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है और हजारों लोग घायल हो चुके हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि इन संघर्षों में मरने वाले अधिकांश लोग वे होते हैं जिनका युद्ध से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल आम नागरिक होते हैं जो शांति से अपना जीवन जीना चाहते हैं।

युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक संरचना को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता है। जब बड़े देश युद्ध में उलझते हैं तो उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। व्यापार रुक जाता है तेल और ऊर्जा की कीमतें बढ़ जाती हैं और वैश्विक बाजार अस्थिर हो जाते हैं। वर्तमान संघर्ष में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी और मध्य पूर्व का क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा स्रोतों में से एक है। यदि यहां युद्ध लंबा चलता है तो तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी और इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आयात करता है। यदि युद्ध के कारण तेल की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है तो इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ेंगी जिससे परिवहन महंगा होगा और इसका प्रभाव आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ने की संभावना भी बढ़ जाएगी और विकास की गति प्रभावित हो सकती है।

इसके अलावा मध्य पूर्व के देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। ये लोग वहां से अपने परिवारों के लिए पैसा भेजते हैं जो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। यदि युद्ध की स्थिति गंभीर हो जाती है तो इन भारतीयों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कई बार ऐसे हालात में लोगों को अपने काम छोड़कर वापस लौटना पड़ता है जिससे उनके परिवारों पर आर्थिक संकट आ सकता है। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए शांति की दिशा में योगदान दे।

युद्ध का एक और गंभीर प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। जब तेल टैंकरों पर हमले होते हैं या समुद्र में तेल का रिसाव होता है तो समुद्री जीवन को भारी नुकसान पहुंचता है। समुद्र में रहने वाले जीवों की बड़ी संख्या नष्ट हो जाती है और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को गहरा आघात पहुंचता है। इसके अलावा बमबारी और मिसाइल हमलों से शहरों का बुनियादी ढांचा नष्ट हो जाता है। अस्पताल स्कूल सड़कें और घर तबाह हो जाते हैं। इन सबको दोबारा बनाने में वर्षों लग जाते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देता। पहले और दूसरे विश्व युद्ध ने पूरी मानवता को विनाश का भयावह अनुभव कराया था। करोड़ों लोग मारे गए और कई देशों की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई। उसके बाद ही दुनिया ने शांति और सहयोग के महत्व को समझा और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का गठन किया गया ताकि ऐसे संघर्षों को रोका जा सके। लेकिन आज भी जब बड़े देश शक्ति प्रदर्शन में लगे रहते हैं तो ऐसा लगता है कि इतिहास से सबक पूरी तरह नहीं लिया गया है।

दुनिया के कई देश इस समय शांति की अपील कर रहे हैं। भारत भी लगातार यह कहता रहा है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद और कूटनीति से ही संभव है। यदि सभी देश संयम और धैर्य का परिचय दें तो टकराव को कम किया जा सकता है। कूटनीतिक वार्ता के माध्यम से विवादों को सुलझाना ही सभ्य और जिम्मेदार समाज की पहचान है।

आज जरूरत इस बात की है कि दुनिया के शक्तिशाली

देश अपनी जिम्मेदारी को समझें। शक्ति का उपयोग विनाश के लिए नहीं बल्कि शांति और स्थिरता के लिए होना चाहिए। यदि युद्ध की आग और फैलती है तो इसका परिणाम केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करेगा। ऐसे में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कहीं यह संघर्ष तीसरे विश्व युद्ध की दिशा में कदम न बन जाए।

मानवता का भविष्य तभी सुरक्षित रह सकता है जब देश आपसी मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने का रास्ता अपनाएं। युद्ध केवल विनाश को जन्म देता है जबकि शांति विकास और समृद्धि का मार्ग खोलती है। इसलिए समय की मांग है कि सभी देश संयम बरतें और युद्ध के बजाय शांति और सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाएं। यही मानवता के हित में होगा और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और बेहतर दुनिया की नींव रखेगा।

डॉ. प्रियंका सौरभ

यूपीएससी सफलता और बनाई हुई कहानियाँ

संघर्ष की कहानी या लोकप्रियता का कथानक? कई अभ्यर्थी वास्तव में गाँवों या साधारण परिवारों से आते हैं और अपनी कहानी इसलिए साझा करते हैं ताकि दूसरे युवाओं को प्रेरणा मिल सके। भारत में ऐसे अनेक सफल अधिकारी हैं जिनकी जड़ें छोटे कस्बों और ग्रामीण परिवेश से जुड़ी रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। हालाँकि, सामाजिक माध्यमों के इस दौर में एक अलग प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपनी छवि गढ़ने के लिए 'किसान का बेटा' या 'गाँव से आया लड़का या लड़की' जैसी पहचान को अधिक उभारकर प्रस्तुत करते हैं। कई बार इसका उद्देश्य सहानुभूति अर्जित करना, अपनी कहानी को अधिक प्रेरणादायक बनाकर प्रस्तुत करना या समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों में अधिक ध्यान आकर्षित करना भी होता है। भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और उनमें से कुछ सौ लोग ही अंततः प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसलिए जो लोग इस कठिन परीक्षा में सफल होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से समाज में चर्चा और सम्मान का विषय बन जाते हैं। समाचार माध्यम, सामाजिक माध्यम और आम समाज उनके जीवन की कहानी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में एक दिलचस्प और कभी-कभी चिंताजनक प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि शहरों की समृद्ध पृष्ठभूमि में पले-बढ़े कुछ सफल अभ्यर्थी अचानक अपनी पहचान को 'किसान पुत्र', 'गाँव का बेटा' या 'ग्रामीण पृष्ठभूमि' के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत पहचान का प्रश्न नहीं है; यह उस व्यापक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भी उजागर करती है, जिसमें लोकप्रियता और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी को विशेष तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या यह केवल प्रेरणा देने का प्रयास है या फिर लोकप्रियता हासिल करने की एक रणनीति? इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और माध्यम-संबंधी कारण छिपे हुए हैं। भारतीय समाज में संघर्ष की कहानियाँ हमेशा से अत्यधिक सम्मानित रही हैं। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करता है, तो वह कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यही कारण है कि समाचार माध्यम अक्सर ऐसे उदाहरणों को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कोई अभ्यर्थी सीमित संसाधनों, आर्थिक कठिनाइयों या ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद सफलता प्राप्त करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी कहानियाँ समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाती हैं। वे युवाओं को यह विश्वास दिलाती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी ग्रामीण और शहरी अवसरों के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, ऐसी कहानियाँ उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब वास्तविकता से अधिक आकर्षक या भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ जाता है। सामाजिक माध्यमों के इस दौर में हर व्यक्ति अपनी कहानी को इस तरह प्रस्तुत करना चाहता है कि वह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और उन्हें प्रभावित करे। इस प्रक्रिया में कभी-कभी वास्तविक पृष्ठभूमि की जटिलता को सरल और भावनात्मक कथा में बदल दिया जाता है।

आज के समय में समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यम किसी भी व्यक्ति की छवि बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सफल अभ्यर्थी की कहानी कुछ ही घंटों में पूरे देश में फैल सकती है। विभिन्न साक्षात्कार, वीडियो मंच और समाचार लेख अक्सर उस कहानी के ऐसे पहलुओं को सामने लाते हैं जो भावनात्मक और प्रेरणादायक हों।

माध्यमों की दृष्टि से यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दर्शक और पाठक ऐसी कहानियों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। 'गाँव से निकलकर प्रशासनिक सेवा में पहुँचा युवक' या 'किसान की बेटी जिसने प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया' जैसी सुर्खियाँ तुरंत ध्यान आकर्षित करती हैं। परिणामस्वरूप, कभी-कभी कहानी के कुछ हिस्सों को अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि अन्य पहलू पीछे छूट जाते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी का परिवार मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा रहा हो, लेकिन उसकी शिक्षा और परवरिश शहरों में हुई हो, तो माध्यम अक्सर उसी ग्रामीण संबंध को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं। इससे वास्तविकता का एक आंशिक चित्र सामने आता है।

भारत जैसे विशाल और विविध समाज में पहचान हमेशा सरल और एक-आयामी नहीं होती। किसी व्यक्ति का जन्म गाँव में हो सकता है, लेकिन शिक्षा शहर में हुई हो सकती है। किसी के माता-पिता खेती से जुड़े हो सकते हैं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

वास्तव में दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं। लेकिन जब कहानी को सरल और प्रभावी बनाने की कोशिश की जाती है, तो अक्सर एक ही पहचान को प्रमुखता दी जाती है। यही कारण है कि कभी-कभी लोगों को यह लगता है कि वास्तविकता से अलग या बढ़ा-चढ़ाकर चित्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आज का समय छवि और कथानक का समय है। सामाजिक माध्यमों ने हर व्यक्ति को अपनी छवि गढ़ने का अवसर दिया है। लोग केवल यह नहीं बताते कि वे कौन हैं, बल्कि यह भी तय करते हैं कि वे समाज के सामने कैसे दिखाई देना चाहते हैं। लेकिन जब यह प्रक्रिया वास्तविकता से अधिक छवि-निर्माण पर आधारित होने लगती है, तो यह आलोचना का विषय बन जाती है। समाज को यह महसूस होने लगता है कि लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए पहचान का उपयोग किया जा रहा है।

यह भी याद रखना आवश्यक है कि हर सफल अभ्यर्थी ऐसा नहीं करता। देश में हजारों ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी पृष्ठभूमि के बारे में ईमानदारी से बात करते हैं और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। अंततः प्रशासनिक सेवा में सफलता का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि कोई अधिकारी अपने पद का उपयोग समाज के हित में किस प्रकार करता है। ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना ही किसी भी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान होती है। लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन सच्ची सेवा और ईमानदार कार्य ही वह आधार है जो किसी व्यक्ति को स्थायी सम्मान दिलाता है।

इन तीनों गुणों के होने से मनुष्य को कहते हैं चेतन

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित्+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु:ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए।

भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत: हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवद्प्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।

किस जगह रखें कामधेनु की मूर्ति?

हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का महत्व काफी ज्यादा बताया गया है। कहा जाता है अगर किसी भी कार्य को करने से पहले या फिर करने के दौरान वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का पालन किया जाता है तो इसके परिणाम काफी शुभ और सकारात्मक होते हैं. वहीं, जब इन नियमों को नजरअंदाज किया जाता है तो इसके परिणाम भी उतने ही बुरे हो सकते हैं। सनातन धर्म के अनुसार कामधेनु गाय में देवी-देवताओं का निवास होता है। इसे घर पर रखने से इंसान की हर मनोकामना पूरी होती है। वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो जब आप इसे रखते हैं तो इससे सुख समृद्धि का वास आपके घर पर होता है.

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको कामधेनु गाय की मूर्ति को अपने घर के ईशान कोण में रखना चाहिए। इसे सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। आप अगर चाहें तो कामधेनु गाय की मूर्ति को घर के पूजास्थल या फिर मुख्य द्वार पर रख सकते हैं। अगर आप मूर्ति नहीं रख पा रहे हैं तो ऐसे में तस्वीर लगाना भी काफी शुभ माना जाता है.

अगर आप अपने घर पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करने जा रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि वह सोना, चांदी, पीतल, तांबे या फिर मार्बल की बनी हुई हो। आप अगर चाहें तो चीनी मिटटी से बनी मूर्ति भी अपने घर पर रख सकते हैं। अगर आप अपने घर में सही जगह पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करते हैं तो इससे आपको वास्तु दोषों से छुटकारा मिल सकता है। केवल यहीं नहीं, जब आप इसे अपने घर पर रखना शुरू कर देते हैं तो आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो जाती है।

एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व

चावल का सेवन न करने के कारण

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को अत्यंत पवित्र और फलदायी माना गया है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रद्धालु व्रत रखकर श्रीहरि की पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि विधिपूर्वक एकादशी व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। हालांकि, एकादशी व्रत के कई कठोर नियम होते हैं। इन्हीं में से एक महत्वपूर्ण नियम है एकादशी के दिन चावल का सेवन न करना।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने का सबसे प्रभावशाली उपाय माना गया है। यह व्रत आत्मशुद्धि, मन की एकाग्रता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए किया जाता है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार, एक बार माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने अपना शरीर त्याग दिया। उनके शरीर के अंश धरती में समाहित हो गए। जिन स्थानों पर उनके शरीर के अंश गिरे, वहां से जौ और चावल उत्पन्न हुए। चूंकि ये अनाज महर्षि के शरीर से उत्पन्न माने गए, इसलिए इन्हें 'जीव' के समान समझा गया। मान्यता है कि एकादशी के दिन ये अन्न सजीव अवस्था में होते हैं। इस कारण इस दिन चावल का सेवन करना महर्षि मेधा के शरीर के अंश का सेवन करने के समान माना गया है।

धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख

पद्म पुराण और विष्णु पुराण में वर्णन मिलता है कि जो व्यक्ति एकादशी के दिन चावल का सेवन करता है, उसके संचित पुण्य फलों का नाश हो सकता है। इसी कारण श्रद्धालुओं को इस दिन चावल से परहेज करने की सलाह दी जाती है।

एकादशी व्रत में क्या खाएं?

एकादशी के दिन सामान्य अन्न का सेवन नहीं किया जाता। व्रती लोग फलाहार, दूध, मखाना, साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू का आटा आदि का सेवन करते हैं। कुछ लोग निर्जला व्रत भी रखते हैं। एकादशी व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का भी प्रतीक है। चावल का त्याग इसी परंपरा और पौराणिक मान्यता से जुड़ा हुआ है। श्रद्धालु नियमपूर्वक व्रत का पालन कर भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करते हैं।

भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया

इन्सान के स्वास्थ्य का शयन कक्ष से सीधा संबंध है। हमारे धर्म ग्रंथों में सोने के कुछ नियम बताए गए हैं। इनका पालन करने से शरीर में कोई रोग नहीं होता, साथ ही घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। मनुस्मृति में लिखा गया है कि सूने घर में अकेले नहीं सोना चाहिए। जहां बिल्कुल अंधेरा हो, वहां सोने से भी बचना चाहिए। साथ ही मंदिर और श्मशान में कभी नहीं सोना चाहिए। अच्छी सेहत के लिए सुबह जल्दी उठाना जरूरी है। कुछ लोगों की आदत होती है कि सोने से पहले पैर धोते हैं। यह अच्छा है, लेकिन भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया है। बताते हैं कि सूखे पैर होने से घर में लक्ष्मी आती है।

पलंग या खाट टूटा हो तो उस पर न सोएं। खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर न जाएं। झूठे मुंह सोना अशुभ है। आप किस दिशा में सोते हैं, यह भी बहुत अहम है। पूर्व की तरफ सिर करके सोने से विद्या, पश्चिम की ओर सिर करके सोने से प्रबल चिन्ता, उत्तर की ओर सिर करके सोने से हानि व मृत्यु, तथा दक्षिण की तरफ सिर करके सोने से धन व आयु की प्राप्ति होती है।

कई लोगों को दिन में सोने की आदत होती है। इसे तुरंत छोड़ दें। दिन में तथा सुर्योदय एवं सुर्यास्त के समय सोने वाला रोगी और दरिद्र हो जाता है।

बायीं करवट सोना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। दक्षिण दिशा में पांव रखकर कभी नहीं सोना चाहिए। इस तरफ यम और दुष्टदेवों का निवास रहता है। इसका वैज्ञानिक कारण यह भी है कि मस्तिष्क में रक्त का संचार कम को जाता है।

सोते समय हृदय पर हाथ रखकर नहीं सोना चाहिए। पैर पर पैर रखकर भी नहीं सोना चाहिए। माथे पर तिलक लगा है तो सोने से पहले उसे साफ कर लें। तिलक लगाकर सोना अच्छा नहीं माना जाता।

गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है लाल रंग का गुड़हल

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में फूलों को पॉजिटिव एनर्जी आकर्षित करने वाला बताया गया है। आप भी अपने घर में खुशहाली के लिए कुछ चुनिंदा फूलों के पौधे लगाएं।

पूजा के लिए अधिकतर गेंदा का इस्तेमाल किया जाता है। वास्तु शास्त्र में इस पुष्प को शुभ माना जाता है, यही कारण है कि इससे घरों व मंदिरों की सजावट की जाती है। भगवान को चढ़ाया जाता है। आप भी इसे अपने घर में उत्तर-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। लाल रंग का गुड़हल गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है। कहा जाता है कि जहां कहीं भी यह पुष्प होता है, वहां पर समस्त प्रकार की नैगेटिव एनर्जी नष्ट हो जाती है। इसे घर में लगाने से पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बना रहता है।

चंपा के फूल हल्के पीले और सफेद रंग के आते हैं। इनमें बहुत हल्की लेकिन मधुर सुगंध होती है। यह भी भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। मोगरा के पुष्प में अत्यधिक तेज सुगंध होती है जो किसी का भी मन मोह लेती है। इस पुष्प के पौधे को घर में लगाने से लक्ष्मी का वास होता है। अत: इस पौधे को भी घर में लगाना चाहिए ताकि घर में सुख और समृद्धि आ सके। तुलसी का पौधा घर के मुख्यद्वार पर लगाने से घर में कोई भी ऊपरी बाधा प्रवेश नहीं कर सकती।

सुबह उठते ही शिवलिंग या शिव मूर्ति का दर्शन करें

सुबह उठते ही कुछ खास चीजें देखने या ध्यान में रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और शुभ लाभ मिलता है। यह चीजें वास्तु शास्त्र और भारतीय परंपराओं से जुड़ी होती हैं, जो दिन की शुरुआत को शुभ और ऊर्जा से भरपूर बना सकती हैं। इन सरल और कम खर्चीले उपायों को अपनाकर आप अपने घर में खुशहाली का वातावरण बना सकते हैं। ये चीजें न केवल घर में शुभ प्रभाव डालती हैं, बल्कि आपके पूरे दिन को मंगलमय और उन्नति की ओर मार्गदर्शित करती हैं।

वास्तु: सुबह उठते ही यदि आप भगवान शिव के शिवलिंग या मूर्ति का दर्शन करते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि का वास होता है। यह विशेष रूप से धन और मानसिक शांति लाने में मदद करता है। शिव के दर्शन से नकारात्मकता दूर होती है और हर तरह की परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

अन्य लाभ: विशेष रूप से महाशिवरात्रि के दिन इस उपाय का महत्व बढ़ जाता है। घर में आकर यह ऊर्जा घर के प्रत्येक सदस्य को लाभ पहुंचाती है।

दीपक की लौ या तेल का दीपक देखना - वास्तु: सुबह उठते ही अगर आप घर में जलते दीपक या तेल के दीपक की लौ देखते हैं, तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। दीपक की लौ सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होती है। इसे देखने से मन शांत रहता है और दिन की शुरुआत शुभ होती है।

अन्य लाभ: यह विशेष रूप से घर में दरिद्रता को दूर करने और आर्थ?िक लाभ लाने में मदद करता है।

प्यारे और शांतिपूर्ण चित्र या तस्वीरें

वास्तु: घर में सुंदर, शांतिपूर्ण और सकारात्मक चित्रों को देखना शुभ माना जाता है जैसे लक्ष्मी जी की तस्वीर, कुबेर की मूर्ति, समुद्र का दृश्य, प्रकृति से जुड़े चित्र आदि। ये सभी चित्र घर में समृद्धि और शांति का प्रतीक होते हैं।

अन्य लाभ: विशेष रूप से आप यदि इन चित्रों को सुबह उठते ही देखें, तो दिन भर की स्थिति सकारात्मक रहेगी और आपकी मेहनत में सफलता मिलेगी।

तुलसी के पौधे को देखना

वास्तु: घर में तुलसी का पौधा रखना और उसे सुबह जल देना एक बहुत शुभ उपाय है। तुलसी के पौधे को देखने से घर में धन, सुख और समृद्धि का वास होता है। यह पौधा विशेष रूप से मानसिक शांति और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

अन्य लाभ: तुलसी की पूजा से घर में नकारात्मकता कम होती है और स्वास्थ संबंधी लाभ भी मिलते हैं।

चांदी या सोने की वस्तु का दर्शन

वास्तु: यदि आप सुबह उठते ही चांदी या सोने की कोई छोटी सी वस्तु देखते हैं जैसे चांदी की छड़ी, सिक्के या कोई आभूषण तो यह दिन भर के लिए धन और समृद्धि के संकेत होते हैं। यह खासतौर पर व्यापारियों के लिए बहुत शुभ होता है।

अन्य लाभ: इस प्रकार की वस्तुओं को देखना आर्थ?िक समृद्धि की ओर इशारा करता है और सकारात्मक विचारों का प्रवाह करता है।

घर के पूर्व दिशा में सूर्योदय देखना

वास्तु: सूर्योदय का दृश्य सबसे शुभ माना जाता है, विशेष रूप से यदि यह पूर्व दिशा से दिखाई देता हो। सूर्योदय को देखने से जीवन में नयापन और ऊर्जा का संचार होता है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 DmìH-r mìr t h`lbì lndwr @mìH-bm